केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षो से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

उलझनों से भरी इस दुनिया में खुशहाल जिंदगी जीना भी किसी कामयाबी से कम नहीं

वर्ष : 16 अंक : 298 | उज्जैन, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

नदी जोड़ो परियोजनाओं से बदल रही है किसानों की तकदीर और मध्यप्रदेश की तस्वीर

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की तीन अंतर्राज्यीय सिंचाई परियोजनाएं किसानों की समृद्धि और प्रदेश की तरक्की का आधार बन रही हैं। इन परियोजनाओं से जब किसान के खेतों तक पानी पहुँचेगा तो मिट्टी सोना उगलेगी। किसानों को भरपूर पानी मिलेगा, जिससे वे एक वर्ष में तीन-तीन फसलें ले सकेंगे।

तीन पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के साथ प्रदेश में तीन बड़ी अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है। उत्तर प्रदेश के साथ केन-बेतवा लिंक परियोजना, राजस्थान के साथ पार्वती-चंबल-कालीसिंध परियोजना और महाराष्ट्र के साथ मेगा-तापी अंडरग्राउंड वॉटर रिचार्ज परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर मध्यप्रदेश में कृषि, उद्योग, पेयजल के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध होगा। इन परियोजनाओं की विशेषता यह है कि इन पर आने वाली लागत का 90त्न खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी। वर्तमान में मध्यप्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 55 लाख हेक्टेयर है। वर्ष 2028-29 तक इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य मध्यप्रदेश सरकार ने रखा है।

केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना- अंतर्राज्यीय नदियों को जोड़ने की दिशा में केन्द्र सरकार, मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर देश की प्रथम अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना का निर्माण कर रही है। इसकी कुल लागत 44,604 करोड़ रूपये है। मध्यप्रदेश के कार्यांश के लिए केन-बेतवा लिंक परियोजना की लागत 24,293 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन द्वारा अप्रैल 2024 में जारी की गई। परियोजना के प्रथम चरण में दौधन बांध का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिसंबर 2025 को शिलान्यास किया गया। परियोजना से दो चरणों में मध्यप्रदेश में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई क्षमता विकसित की जानी है।

परियोजना में 126 एम.सी.एम. जल से 10 जिलों की 41 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। इससे 103 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जायेगा। परियोजना से 10 जिले छतरपुर, पन्ना, दमोह, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी, रायसेन, शिवपुरी, दतिया एवं विदिशा लाभान्वित होंगे। साथ ही छतरपुर, टीकमगढ़ एवं निवाड़ी के कुल 42 ऐतिहासिक तालाबों का जीर्णोद्धार भी किया जायेगा।

संशोधित पार्वती-कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना- मध्यप्रदेश राज्य की अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत संशोधित पार्वती-कालीसिंध चंबल लिंक को धरातल पर लाने के लिए अनुमानित निर्माण राशि 35 हजार करोड़ रूपये है। इस परियोजना से मध्यप्रदेश राज्य में मालवा और चंबल क्षेत्र के 13 जिलों उज्जैन, गुना, शिवपुरी, श्योपुर, भिंड, मुरैना, सीहोर, शाजापुर, देवास, राजगढ़, मंदसौर, आगर-मालवा एवं इंदौर के 2012 ग्रामों की लगभग 6 लाख 15 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई हेतु जल उपलब्ध होगा। मालवा एवं चंबल क्षेत्र के 11 जिलों की 43 लाख आबादी को 61 एम.सी.एम. जल आरक्षित किया जाकर पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही परियोजना से उद्योगों हेतु 17.4 मि.घ.मी. जल उपलब्ध होगा। दिसंबर 2024 में जयपुर में पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना का अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) भारत सरकार राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के मध्य हस्ताक्षरित किया गया। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना अंतर्गत परियोजना समूह की लागत 31479.48 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी की गई है। यह परियोजना मध्यप्रदेश के चंबल और मालवा क्षेत्र के जिलों में जल आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से लगभग 7 लाख 84 हजार कृषकों के जीवन में समृद्धि और खुशहाली आएगी। इस लिंक परियोजना के अंतर्गत 22 वृहद सिंचाई परियोजना के निर्माण के साथ ही 60 वर्ष पुरानी चम्बल दांई तट नहर एवं वितरिका तंत्र के आधुनिकीकरण से मुरैना, भिंड, एवं श्योपुर जिलों के 1205 ग्रामों में 3 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों को सिंचाई का सुनिश्चित लाभ मिलेगा।

मेगा तापी रीचार्ज परियोजना- मेगा तापी रीचार्ज परियोजना पारंपरिक जल भंडारण के स्थान पर भू-गर्भ जल पुर्नभरण योजना है, जिसका उद्देश्य मानसून के दौरान तापी नदी के अतिरिक्त जल को नियंत्रित तरीके से भू-जल भरण के लिये उपयोग किया जाकर भू-जल स्तर में वृद्धि किया जाना है। तापी नदी के दाहिने किनारे सतपुड़ा पर्वत माला के तल पर स्थित बजाड़ा जोन में कृत्रिम भू-जल पुनर्भरण किया जायेगा। परियोजना की लागत 19 हजार 244 करोड़ है, जिससे बुरहानपुर एवं खण्डवा जिले के 01 लाख 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जायेगी। मई 2025 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मध्य इसे राष्ट्रीय परियोजना के रूप में निर्मित किये जाने की सहमति प्रदान की गई।

माइक्रो सिंचाई में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी- उल्लेखनीय है कि माइक्रो सिंचाई में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य है एवं इस पद्धति के माध्यम से जल का अधिकतम उपयोग कर पाइप के माध्यम से प्रत्येक किसान के खेत तक पानी पहुंचाया जाता है। साथ ही ऐसे क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जहां नहरों से पानी पहुंचाना कठिन हो। वर्तमान में प्रदेश में निर्माणाधीन अधिकतम वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में इस पद्धति का उपयोग किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

प्लेबॉय बनाने और लोन दिलाने के नाम पर 9 राज्यों में लाखों की ठगी, लैपटॉप से खुला राज

पटना/ जीएनएस। साइबर थाने की पुलिस ने बेउर थाना क्षेत्र में स्थित अपार्टमेंट के एक फ्लैट में छापेमारी कर साइबर ठग गिरोह के तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरोह प्लेबॉय बनाने और धनी एप से लोग दिलाने में प्रोसेसिंग फीस आदि के नाम लोगों से ठगी कर रहा था। इनके पास से 11 मोबाइल, एक लैपटॉप सहित अन्य बरामद कागजात से पता चला कि यह गिरोह बिहार, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, केरल सहित नौ राज्यों के लोगों से लाखों रुपये की जालसाजी कर चुका है। आरोपितों की पहचान नवादा के वारिसलीगंज निवासी शुभम राज, गुलशन कुमार और नवादा के शाहपुर के विक्की कुमार के रूप में हुई है। डीएसपी व साइबर थाना प्रभारी नीतीश चंद्र धारिया ने बताया तीनों पिछले चार माह से उस फ्लैट में रह रहे थे। इसके पूर्व कहां रहते थे, इसके बार में जानकारी जुटाई जा रही है। गिरोह में शामिल अन्य आरोपितों की पहचान कर उनकी तलाश में छापेमारी जारी है। बरामद मोबाइल और लैपटॉप की जांच की जा रही है। अब तक यह गिरोह कितने रुपये की ठगी कर चुका है, इसकी भी जांच की जा रही है। इस गिरोह में कई और लोग शामिल है, जिसमें हर किसी की अलग अलग भूमिका होती है। एक इंटरनेट मीडिया पर पर लोन दिलाने से लेकर प्लेबॉय बनाने के लिए फर्जी विज्ञापन अपलोड करता है। इस विज्ञापन को ज्यादातर दूसरे राज्यों में प्रसारित कराया जाता है। विज्ञापन के साथ संपर्क के लिए मोबाइल भी नंबर दिया जाता है। गिरोह के दूसरे सदस्यों के पास से वह मोबाइल नंबर होता है। जैसे उस नंबर पर कोई संपर्क करता है, उन्हें झांसा देकर जाल में फंसाया जाता है और पैसा ट्रांसफर करने के लिए बैंक खाता नंबर या यूपीआई नंबर उपलब्ध कराया जाता है। जिस खाता नंबर में ठगी की रकम मंगाई जाती है, उसका डेबिट कार्ड और पासबुक गिरोह के तीसरे सदस्यों के पास होता है, जो खाते में रकम होने के कुछ मिनट बाद ही निकासी कर लेते है।

विधानसभा चुनाव 2027 के लिए कांग्रेस का नया दांव तैयार

लखनऊ/ जीएनएस। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने ओबीसी मतदाताओं को साधना शुरू कर दिया है। इस सिलसिले में कांग्रेस के ओबीसी विभाग की तरफ से समाज सुधारक ज्योतिबा फूले की जयंती पर शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। राज्य स्तरीय इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इस संदर्भ में गुरुवार को कांग्रेस के ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल जयहिंद ने पत्रकारों से कहा कि केंद्र सरकार को वैज्ञानिक आधार पर जाति की गणना करानी चाहिए। इस गणना में केवल जातीय आधार पर नागरिकों की गिनती नहीं बल्कि उनकी आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक स्थिति, सरकारी नौकरी व राजनीति में प्रतिनिधित्व का भी डाटा एकत्र किया जाए। इसके लिए तेलंगाना के माडल को अपनाया जा सकता है। तेलंगाना में इस कार्य को सकुशल तरीके से सम्पन्न कराने वाले मंत्री पोन्नम प्रभाकर को सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार को चेतावनी दी कि अगर सरकार ने ओबीसी महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार नहीं दिया तो देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक में ओबीसी महिलाओं की उपेक्षा की गई है।

ये हिंदू धर्म के लिए अच्छा नहीं, मंदिरों में एंट्री पर सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली/ जीएनएस। धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने मंदिरों और मठों में प्रवेश को लेकर अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि कि प्रत्येक व्यक्ति को हर मंदिर और मठ में जाने का अधिकार होना चाहिए।

लेकिन अगर आप यह कहते हैं कि यह प्रथा है और धर्म का मामला है, और मैं सबको बाहर कर दूंगा सिर्फ मेरे संप्रदाय के लोग ही मेरे मंदिर में आएंगे और कोई नहीं आएगा, तो ये हिंदू धर्म के लिए अच्छा नहीं है। समाज बंट जाएगा। धर्म पर बुरा असर पड़ेगा। धर्म पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ आजकल धार्मिक स्थलों में महिलाओँ से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों विचार कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मामला भी शामिल है।

पीठ ने मंदिरों में प्रत्येक व्यक्ति को प्रवेश के अधिकार पर ये टिप्पणी उस वक्त की जब नायर सर्विस सोसाइटी, अयप्पा सेवा समाजम और क्षेत्र संरक्षण समिति जैसे संगठनों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सीएस वैद्यनाथन ने दलील दी कि एक संप्रदाय का मंदिर अनुमति और पूजा पाठ की इजाजत दे सकता है और या इसे सिर्फ उसी संप्रदाय तक सीमित रख सकता है।

सीजफायर का फायदा उठाने का समय आ गया, जल्द से जल्द ईरान छोड़ें भारतीय

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत सरकार ने ईरान में अपने नागरिकों से कहा है कि वो पश्चिम एशिया सीजफायर का फायदा उठाएं और वहां से बाहर निकले। भारत सरकार जनवरी, 2026 से ही ईरान में अपने नागरिकों को वहां से निकलने की बात कह रही है। तब वहां 10 हजार भारतीय थे और अभी भी वहां 7,500 भारतीय नागरिक हैं। इसमें ज्यादा भारतीय छात्र हैं जो मेडिकल, इंजीनियरिंग आदि की पढ़ाई वहां कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि, सीजफायर के बाद ईरान में शांति है और यह वहां से बाहर निकलने का सही अवसर है। मैं खास तौर पर दक्षिण ईरान में रहने वाले भारतीयों से आग्रह करूंगा कि वो वहां से सड़क मार्ग से उत्तर की तरफ जाएं और अर्मेनिया के रास्ते बाहर निकलें।

सीजफायर से पहले भी भारत सरकार लगातार ईरान से अपने नागरिकों को कोशिश में जुटी थी। ईरान के पड़ोसी दो देशों अर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते बाहर निकाला भी है। वैसे अब नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया है कि सीजफायर की स्थिति साफ होने का इंतजार है।

अगर शनिवार को पाकिस्तान में आयोजित बैठक में सीजफायर की पक्की तस्वीर बन कर उभरती है यूएई, सउदी अरब व कतर से ज्यादा उड़ानों का संचालन भारत के लिए शुरू हो सकता है। पश्चिम एशिया विवाद के बाद भारत से खाड़ी के क्षेत्र में होने वाली उड़ानों की संख्या रोजाना 350 से घट कर सिर्फ 90 रह गई है।

अब स्थिति सुधरने की उम्मीद है जैसे गुरुवार को ही कतर से 9-10 नई उड़ानें भारत के लिए उड़ने की तैयारी में हैं। यह संख्या आने वाले दिनों में बढ़ेगी। निजी एयरलाइन गल्फ एयर ने कहा है कि वह जल्द ही बहरीन और भारत के बीच उड़ानें शुरू करेगी। इससे भी वहां से भारतीय नागरिकों के लिए स्वदेश आना आसान हो जाएगा।

मुद्दों से खाली तमिलनाडु, सिर्फ चेहरों और चाल पर टिका चुनाव

कोयंबटूर/ जीएनएस। लहरें कितना भी उफान लें, लेकिन सागर शांत ही रहता है। राजनीतिक दृष्टिकोण से ऐसा ही कुछ मिजाज समुद्र किनारे बसे राज्य तमिलनाडु का समझ आता है। त्रिभाषा फार्मूला लागू करने की बात हो, सनातन के विरुद्ध सत्ताधारी दल की टिप्पणी हो या परिसीमन जैसे मुद्दों पर सत्ताधारी डीएमके की हुंकार।

चुनाव में मुद्दों की कमी - यह ऐसे मुद्दे हैं, जिनमें दूर से काफी ताप और तपिश महसूस होती है, लेकिन भीषण गर्मी वाला यह राज्य इस मामले में ठंडा है। न तो डीएमके तमिल अस्मिता के नाम पर अपने लिए स्थानीय भावनाओं की डोर मेंअपने लिए कोई मजबूत वोटबैंक बांध सकी है और न मुख्य विपक्षी एआईएडीएमके भ्रष्टाचार से लेकर किसी मुद्दे पर सत्ता विरोधी ऐसी लहर उठा पाई, जिससे डीएमके की चुनावी नैया स्पष्ट डोलती दिखाई दी हो। दरअसल, द्रमुक अध्यक्ष व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने फिर से बयान दिया है कि मोदी सरकार परिसीमन के माध्यम से दक्षिण के मुकाबले उत्तर भारत की सीटें लोकसभा में बढ़ाकर उत्तर भारत के हाथ में ताकत देना चाहती है। ऐसा ही राग पार्टी की उप महासचिव व सांसद कनिमोझी ने आलापा है।

इसके अलावा सीएम स्टालिन लगातार राजग गठबंधन पर इसी आरोप के साथ हमला कर रहे हैं कि एआइएडीएमके तो दिल्ली यानी कि केंद्र की भाजपा सरकार की कठपुतली बनकर मैदान में उतरी है। इसके अलावा डीएमके नेता किसी और मुद्दे पर जोर देते नहीं दिख रहे हैं।

सवाल यह है कि जिस राज्य में भाजपा अभी तिल के बराबर है, उसे ताड़ बनाने की कोशिश क्यों है? इसका जवाब फिलहाल चुनावी माहौल दे रहा है। दरअसल, द्रमुक के नेतृत्व वाले एसपीए सहित अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले एनडीए ने चुनावी रेवड़ियां हवा में तबियत से उछाली हैं, लेकिन जनता में उन्हें लपकने की ललक नहीं दिख रही है।

छाती पर बैठकर बीच सड़क काट रहा था गर्दन, लोग बना रहे थे वीडियो

अररिया/ जीएनएस। एक वक्त था जब लोग किसी को मुसीबत में देखकर उसकी मदद करते थे, लेकिन अब वही लोग जेब से फोन निकालकर घटना का वीडियो बनाने लगते हैं।

कुछ ऐसा ही दिखा गुरुवार को कृषि बाजार समिति की मुख्य सड़क के पास, जहां रवि चौहान नाम के शख्स ने नबी हुसैन को बीच सड़क पर पहले बुरी तरह पीटा और फिर जमीन पर लेटा कर गला रेता। वो तब तक उसका गला रेतता रहा, जबतक उसका सिर धड़ से अलग नहीं हो गया।

इसके बाद उसने उसका सिर सड़क पर रख दिया। बीच सड़क पर बेरहमी से युवक की हत्या कर दी गई, लेकिन लोग उसे बचाने और मदद की बजाय तमाशा देख वीडियो बनाते रहे।

बंगाल में वोटिंग से पहले भाजपा की बड़ी तैयारी, महिलाओं के बीच अभियान; PM मोदी करेंगे बात

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं। 23 अप्रैल को पहले राउंड का मतदान है और फिर 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। 4 मई को नतीजे आएंगे। इस बीच भाजपा और उसकी लीडरशिप वाली केंद्र सरकार महिलाओं के मुद्दे पर फोकस कर रहे हैं।

माना जा रहा है कि बंगाल चुनाव को देखते हुए यह तेजी है। बुधवार को ही पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने महिला आरक्षण ऐक्ट में संशोधन को मंजूरी दी है। अब 16 अप्रैल से तीन दिनों का संसद के स्पेशल सेशन बुलाया जाएगा।

इस दौरान इस विधेयक को मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। इस बीच भाजपा ने भी बड़ी तैयारी कर ली है और महिलाओं के बीच बड़े पैमाने पर संपर्क साधा जाएगा। बिल पारित करने के लिए तीन दिन के सेशन से पहले भाजपा महिलाओं के बीच पहुंच बढ़ाने के लिए अभियान छेड़ने वाली है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअल मीटिंग की है। इसके अलावा अन्य राज्यों के नेताओं से भी बात की है। इसमें यह चर्चा की गई है कि महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सरकार कैसे महिलाओं के बीच जाएगी। उन्हें यह जानकारी देगी कि महिला आरक्षण के लिए सरकार किस तरह प्रयास कर रही है और इसे 2029 के आम चुनाव से ही लागू करने की तैयारी है। इससे पहले नितिन नबीन ने महिला नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों से भी बात की थी। इसमें चर्चा की थी कि कैसे इस अभियान को बढ़ाया जा सकता है। इस मीटिंग में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी मौजूद थीं।

ऑपरेशन सिंदूर एक केस स्टडी, पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा पर क्या बोले सेन प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बेंगलुरु में आयोजित रण संवाद के दौरान ऑपरेशन सिंदूर से मिले अनुभवों पर चर्चा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि सूचना युद्ध अब आधुनिक युद्ध का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है और ऑपरेशन सिंदूर इसके लिए एक ब्लूप्रिंट के रूप में उभरा है

भारतीय सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब सेना को आधुनिक युद्ध की चुनौतियों के लिए तैयार कर रहे हैं। उन्होंने इसे बहु-क्षेत्रीय संचालन की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव का आधार बताया। जनरल द्विवेदी गुरुवार को बेंगलुरु में आयोजित त्रि-सेवा सेमिनार रण संवाद 2026 को संबोधित कर रहे थे। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने %ऑपरेशन सिंदूर% को एक केस स्टडी बताते हुए कहा कि यह मिशन पाकिस्तान के राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की अचूक मारक क्षमता, तकनीकी समन्वय, और रणनीतिक दृढ़ता का प्रदर्शन था। उन्होंने पाकिस्तान के नकारात्मक प्रोपेगेंडा को बेनकाब करते हुए कहा कि भारत ने अपनी सत्य की सकारात्मकता से झूठ का मुकाबला किया।

सूचना युद्ध पर खास फोकस- सेना प्रमुख ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कुल प्रयास का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा सूचना युद्ध और नैरेटिव प्रबंधन पर खर्च हुआ। उन्होंने जोर दिया कि आज का युद्ध केवल पारंपरिक मैदान तक सीमित नहीं रह गया है।

उन्होंने कहा कि आज सैन्य परिवार सिर्फ 12 लाख सक्रिय जवानों तक सीमित नहीं है। अगर वेटरन और उनके परिवारों को शामिल करें तो यह संख्या 1.3 करोड़ तक पहुंच जाती है। ये सभी सूचना क्षेत्र का हिस्सा हैं।

कोई एक डोमेन निर्णायक नहीं- जनरल द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर को स्ड्डह्व का बेहतरीन उदाहरण बताया।

इंदौर कोचिंग डिपो की मेकेनाइज्ड लॉन्ड्री से ट्रेनों में स्वच्छ लिनेन की आपूर्ति, रोजाना हजारों आइटम की धुलाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम मंडल द्वारा यात्रियों को बेहतर और आरामदायक यात्रा अनुभव देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने एसी कोचों में स्वच्छ और उच्च गुणवत्ता वाले लिनेन की उपलब्धता सुनिश्चित की है। इसके तहत इंदौर स्थित कोचिंग डिपो की आधुनिक मेकेनाइज्ड लॉन्ड्री अहम भूमिका निभा रही है।

रेलवे द्वारा एसी यात्रियों को यात्रा के दौरान दो बेडशीट, एक पिलो कवर, एक फेस टॉवेल और एक कंबल उपलब्ध कराया जाता है। इन सभी वस्तुओं की स्वच्छता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके।

रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार इंदौर कोचिंग डिपो में अत्याधुनिक मेकेनाइज्ड लॉन्ड्री स्थापित है, जिसमें वॉशर, ड्रायर, आयरनर और बॉयलर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस लॉन्ड्री के माध्यम से प्रतिदिन करीब 4 ट्रेनों के लगभग 40 एसी कोचों के लिए लिनेन की आपूर्ति की जाती है।

इस लॉन्ड्री में रोजाना लगभग 12 हजार बेडशीट, 6 हजार पिलो कवर, 6 हजार फेस टॉवेल और 200 से अधिक कंबलों की धुलाई की जाती है। बेडशीट, पिलो कवर और फेस टॉवेल को हर उपयोग के बाद साफ किया जाता है, जबकि कंबलों की धुलाई हर 15 दिन में की जाती है। साथ ही लिनेन को नेफ्थलीन और गर्म हवा के जरिए स्टरलाइज भी किया जाता है, जिससे स्वच्छता का उच्च स्तर बनाए रखा जा सके।

इंदौर की इस मेकेनाइज्ड लॉन्ड्री से प्रतिदिन करीब 6 हजार लिनेन पैकेट ट्रेनों में उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके अलावा रतलाम मंडल की अन्य ट्रेनों में लिनेन की धुलाई और आपूर्ति का कार्य आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से कराया जाता है, जिसकी गुणवत्ता पर नियमित निगरानी रखी जाती है।

रतलाम मंडल का कहना है कि वह यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में लगातार सुधार और आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

इंदौर जिले में किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी हुई प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य आज से विधिवत प्रारंभ हो गया। लक्ष्मीनगर मंडी प्रांगण स्थित शासकीय गेहूं उपार्जन केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक श्री मधु वर्मा एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में गेहूं खरीदी का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं किसानों की उपस्थिति में कृषक श्री विजू कुमावत एवं श्री अभिषेक यादव का साफा बांधकर एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया तथा उनसे प्रतीकात्मक रूप से गेहूं खरीदी की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवणसिंह चावड़ा, श्री ईश्वर सिंह पटेल, श्री विशाल पाठक, श्री नारायण पटेल, श्री सुमेर सिंह सोलंकी, श्री घनश्याम भाटी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जिला उपार्जन समिति के अधिकारीगण एवं सैकड़ों किसान उपस्थित रहे। जिले में कुल 41,750 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से अब तक 7,840 किसानों ने स्लॉट बुक करा लिया है। जिले के 90 उपार्जन केंद्रों में से किसी भी केंद्र पर किसान अपनी सुविधा अनुसार तिथि का स्लॉट बुक कर अपनी उपज का विक्रय कर सकते हैं। गेहूं खरीदी का कार्य जिले में 5 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा।

एबी रोड पर ड्रोन की नजर, नो-पार्किंग में खड़े 70 वाहनों पर यातायात पुलिस की त्वरित कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एबी रोड पर ड्रोन सर्विलेंस के जरिए निगरानी रखते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में विजयनगर, रसोमा और एमआर-9 क्षेत्र में पिक ऑवर्स के दौरान विशेष निगरानी रखी गई। इस दौरान ड्रोन कैमरे में मॉल और वॉइन शॉप के बाहर नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के कारण यातायात बाधित होता नजर आया।

स्थिति सामने आते ही विजयनगर से पेट्रोलिंग और व्हील लॉक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और करीब 70 वाहनों पर कार्रवाई की गई। नो-पार्किंग में खड़े वाहनों पर व्हील लॉक लगाया गया और अनाउंसमेंट के जरिए वाहन चालकों को समझाइश भी दी गई। साथ ही गलत दिशा में वाहन चलाने और मोबाइल फोन का उपयोग करने वालों पर भी वैधानिक कार्रवाई की गई।

इंदौर में गेहूं उपार्जन की शुरुआत, किसानों के सम्मान के साथ हुआ शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर की लक्ष्मीबाई नगर मंडी में गेहूं उपार्जन के प्रथम दिवस का शुभारंभ गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर किसानों का तिलक, माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी के निर्देशानुसार किया गया, जिसमें किसानों के सम्मान और उनके योगदान को प्रमुखता दी गई।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मार्गदर्शन में यह पहल की गई। वहीं किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा के निर्देशन में उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के लिए किए जा रहे कार्यों को भी रेखांकित किया गया। सरकार द्वारा गेहूं उपार्जन की पारदर्शी व्यवस्था, समय पर भुगतान और बेहतर प्रबंधन को किसान हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, राऊ विधायक मधु वर्मा, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पटेल, इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा और प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विशाल पाठक सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। किसानों ने भी व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया।

जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने जानकारी दी कि जिले के 90 उपार्जन केंद्रों पर प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, जो किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए हर समय उपलब्ध रहेंगे। यह पहल किसानों को सुगम और व्यवस्थित उपार्जन सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

उपभोक्ता शिकायत पर न्यू पलासिया क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य सुरक्षा प्रशासन इंदौर द्वारा 311 ऐप पर प्राप्त उपभोक्ता शिकायत के आधार पर न्यू पलासिया स्थित Creme Roasting LLP (Hopin Patio Cafe) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर फर्म के पार्टनर श्री तर्ष लखवानी उपस्थित पाए गए। जांच के दौरान प्रतिष्ठान में खाद्य कारोबार के लिए वैध खाद्य पंजीयन उपलब्ध नहीं पाया गया। मौके से पनीर, दही, चावल, राजमा एवं द्गस्त्रद्बद्ब्द्यद्ग द्बष्द्ग के कुल 05 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। प्रथम दृष्टया बिना खाद्य पंजीयन के खाद्य कारोबार संचालित किया जाना पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध प्रकरण तैयार किया गया है। नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत प्रकरण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसी क्रम में एक अन्य रूटीन जांच कार्रवाई के तहत न्यू पलासिया स्थित दाल बाटी सुरमा का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के पार्टनर श्री नवल परिहार की उपस्थिति में दही, तुअर दाल, चावल एवं बाफले का आटा के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

एचपीवी टीकाकरण अभियान का जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन ने किया निरीक्षण

छात्राओं एवं अभिभावकों से संवाद कर टीकाकरण के प्रति किया प्रेरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने आज इंदौर जिले में संचालित एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का विभिन्न स्थलों पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान श्री जैन ने टीकाकरण केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया तथा वहां तैनात स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने टीकाकरण की प्रक्रिया, लाभार्थी बच्चों की उपस्थिति, पंजीयन व्यवस्था एवं अभिलेख संधारण की विस्तार से समीक्षा करते हुए कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जैन ने विद्यालय में उपस्थित छात्राओं एवं उनके अभिभावकों से सीधे संवाद स्थापित कर एचपीवी टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह टीका भविष्य में गंभीर बीमारियों, विशेषकर महिलाओं में होने वाले कुछ प्रकार के कैंसर से बचाव में अत्यंत प्रभावी है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों का टीकाकरण अवश्य कराएं और इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप यह अभियान बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है और इसे शत-प्रतिशत सफल बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागीय अधिकारियों के दल गठित किए गए हैं, जिन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) एवं प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि किसी भी पात्र लाभार्थी का टीकाकरण छूटने न पाए।

जिला प्रशासन द्वारा एचपीवी टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा पहल से लाभान्वित हो सकें।

स्वच्छ इंदौर वार्ड रैंकिंग 2025-26 के विजेताओं का सम्मान, जनभागीदारी और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित स्वच्छ इंदौर वार्ड रैंकिंग 2025-26 एवं देपालपुर वार्ड रैंकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान भव्य समारोह में किया गया। रविन्द्र नाट्य गृह में आयोजित इस कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वार्डों, पार्षदों, संगठनों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के सामूहिक गायन से हुई, जिसके बाद स्वच्छ वार्ड रैंकिंग के अंतर्गत चयनित विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इंदौर में वार्ड क्रमांक 63 ने प्रथम, वार्ड 49 ने द्वितीय और वार्ड 44 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं उत्कृष्ट पार्षदों में पराग कौशल पहले, राजीव जैन दूसरे और राहुल जायसवाल तीसरे स्थान पर रहे। वार्ड 59 की सुश्री रूपाली पेंढारकर को विशेष सम्मान से नवाजा गया।

देपालपुर वार्ड रैंकिंग में वार्ड क्रमांक 14 को प्रथम, वार्ड 12 को द्वितीय और वार्ड 4 को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके अलावा शहर के उत्कृष्ट संगठनों, स्कूलों, अस्पतालों, शासकीय कार्यालयों और प्रमुख बाजारों के प्रतिनिधियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए नागरिकों को शपथ दिलाई गई और जल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में 22 जोन के चयनित सफाई मित्रों और ड्रेनेज कर्मचारियों को भी उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि स्वच्छ वार्ड रैंकिंग प्रतियोगिता जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है और इंदौर की स्वच्छता में नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी पार्षदों से अपने-अपने वार्डों को और अधिक स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का आह्वान किया। वहीं आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि इस बार प्रतियोगिता में पहली बार डिजिटल तकनीक के माध्यम से सर्वे किया गया, जिसमें नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही।

प्रशासन के अनुसार इंटर्नशिप विद मेयर कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने 85 वार्डों में घर-घर जाकर डिजिटल एप के माध्यम से सर्वे किया। इस सर्वे में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, निर्धारित रूट, नागरिक सहभागिता और एनजीओ के सहयोग जैसे मापदंडों पर 400 अंकों के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पार्षदों, अधिकारियों, सफाई मित्रों और बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही। आयोजन के माध्यम से स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने और इंदौर को फिर से देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने का संदेश दिया गया।

चेतावनी के बाद भी अग्नि सुरक्षा के प्रबंध नहीं करने वालों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आज जूनी इंदौर एवं मल्हारगंज अनुभाग क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा व्यापक कार्रवाई की गई। विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध नहीं पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को सील किया गया। जूनी इंदौर अनुभाग में एसडीएम श्री घनश्याम धनगर के नेतृत्व में जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम के संयुक्त दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भंवरकुआँ स्थित मारुति सुजुकी एरिना शोरूम, सुकून सिग्नेचर होटल, भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित लाइब्रेरी एवं जिम सहित टावर चौराहा स्थित विनर्स कोचिंग क्लास, रेमंड शोरूम एवं अन्य दुकानों की जाँच की गई। इसी क्रम में गीता भवन स्थित तुलसी टावर की दुकानों, टैरेस पर संचालित कैफे एवं टर्फ, नेक्सा मारुति शोरूम तथा इंडस्ट्री हाउस चौराहा स्थित महिदपुर वाला फर्नीचर एवं अन्य संस्थानों का भी निरीक्षण किया गया।

नवागत जनपद सीईओ एवं विकास खंड अधिकारियों के अभिमुखीकरण प्रशिक्षण का हुआ समापन

मंत्री श्री पटेल ने नवनियुक्त अधिकारियों से किया संवाद, लक्ष्य आधारित कार्यशैली पर दिया जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल स्थित मध्यप्रदेश जल एवं भूमि प्रबन्ध संस्थान में नवागत मुख्य कार्यपालन अधिकारी (जनपद पंचायत) एवं विकास खंड अधिकारियों के अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन समारोह हुआ। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने नवनियुक्त अधिकारियों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि आगामी 3 वर्षों में ऐसा कार्य करें जिससे उन्हें स्वयं संतुष्टि प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि आपकी आत्म संतुष्टि ही इस बात का प्रमाण होगी कि आप आमजन के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन लाये है।

मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों से उनके कार्य क्षेत्र, भविष्य की योजनाओं एवं चुनौतियों पर चर्चा की तथा उन्हें निरंतर संवाद बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संवाद बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है और इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता आती है।

उन्होंने आगे कहा कि कई बार हम यह सोचते हैं कि हम सभी कार्य कर सकते हैं, जो सकारात्मक सोच है, लेकिन अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार कार्य करने से बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं। हर कार्य को एक स्पष्ट लक्ष्य, सुदृढ़ योजना और टीम वर्क के साथ किया जाए तो सफलता सुनिश्चित होती है।

इस अवसर पर नव नियुक्त अधिकारियों ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्राप्त अपने अनुभवों को साझा किया। अधिकारियों ने बताया कि विगत 45 दिनों से संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने उन्हें प्रशासनिक कार्य प्रणाली को समझने, विभिन्न क्षेत्रों का अवलोकन करने तथा जमीनी स्तर पर कार्य करने के व्यावहारिक पहलुओं को जानने का अवसर प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें विभिन्न स्थानों का भ्रमण करने का अवसर मिला, जिससे उन्होंने आने वाली चुनौतियों को समझते हुए अपने कार्य की रूपरेखा पर भी चर्चा की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मंत्री श्री पटेल द्वारा सभी नवनियुक्त अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इंदौर में यातायात पुलिस की सख्त कार्रवाई, 1883 नियम उल्लंघनों पर चालान, सड़कों पर बढ़ी सुगमता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुचारू बनाने के लिए पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शहर के चारों यातायात जोन में पेट्रोलिंग और व्हील लॉक टीमों ने मिलकर व्यापक कार्रवाई की है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में टीमों ने प्रमुख मार्गों, व्यस्त बाजारों और अधिक ट्रैफिक दबाव वाले क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान हेलमेट न पहनने, रॉंग पार्किंग, मोबाइल का उपयोग, वनवे उल्लंघन और लापरवाही से वाहन चलाने वालों को निशाना बनाया गया।

यातायात पुलिस ने कुल 1883 मामलों में कार्रवाई करते हुए 1433 हेलमेट उल्लंघन, 253 रॉंग पार्किंग, 17 मोबाइल उपयोग और 46 अन्य नियम उल्लंघनों पर चालान किए। साथ ही नो-पार्किंग क्षेत्रों से सैकड़ों वाहनों को हटवाया गया और कई जगहों पर व्हील लॉक और क्रेन की मदद से कार्रवाई की गई।

शहर के अन्नपूर्णा रोड, बड़ा गणपति, इमली बाजार, विजयनगर, 56 दुकान, पलासिया, रीगल, सराफा बाजार, जवाहर मार्ग और क्लॉथ मार्केट जैसे प्रमुख इलाकों में विशेष अभियान चलाया गया। लगातार पेट्रोलिंग के कारण इन क्षेत्रों में अवैध पार्किंग में कमी आई है और यातायात का प्रवाह पहले से अधिक सुगम हुआ है।

एक दिवसीय युवा संगम कार्यक्रम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला) 11 अप्रैल शनिवार को

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं कॉमर्स महाविद्यालय स्कीम नंबर 71 गुमास्ता नगर इंदौर में होगा आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले में युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय कैरियर काउंसिलिंग एवं रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। यह मेला जिला प्रशासन के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय इंदौर तथा श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं कॉमर्स महाविद्यालय इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। उक्त रोजगार मेला 11 अप्रैल, शनिवार को श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं कॉमर्स महाविद्यालय स्कीम नंबर 71 गुमास्ता नगर इंदौर में सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में आवेदकों को कैरियर निर्माण के सुनहरे अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु ऋण प्रक्रिया संबंधी मार्गदर्शन एवं कैरियर काउंसिलिंग भी प्रदान की जाएगी।

उक्त रोजगार मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां जैसे Teleperformance, TaskUs, Indian Oil Corporation, Shyam Tata Motors, SK Finance, Tata Tiscon, Just Dial, Mosaic Pvt. Ltd., Insta Connects, Medplus आदि कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

इन कंपनियों द्वारा 1000 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती हेतु प्रारंभिक चयन किया जाएगा। इन कंपनियों में वेबसाइट डेवलपर, गेस्ट फैकल्टी, डिजिटल मार्केटिंग, क्वालिटी इंजीनियर, रिसेप्शनिस्ट, एचआर, बैक ऑफिस, कंप्यूटर ऑपरेटर, सेल्स, बीपीओ, फायर सेफ्टी ऑपरेटर, लोडर, सुपरवाइजर तथा तकनीकी पद जैसे फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, वेल्डर आदि पद शामिल हैं।

विद्यार्थियों ने कला में उकेरे जल संकट के समाधान, सार्थक की रैली बनी जन-आंदोलन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रकृति को संवारने और भावी पीढ़ी को जल संकट से बचाने के संकल्प के साथ सार्थक सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन ने उस समय एक जन-आंदोलन का रूप ले लिया जब शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, प्रशासन और विद्यालयों ने एक सुर में जल संरक्षण का आह्वान किया।

प्रशासनिक गौरव और भविष्य का साझा संकल्प- इस विशाल जन-जागरूकता रैली का शुभारंभ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनुकूल जैन द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर श्री जैन ने सार्थक संस्था के रचनात्मक प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि÷ ÷सार्थक द्वारा जमीनी स्तर पर किया जा रहा कार्य अत्यंत प्रेरणादायी है। प्रशासन भविष्य में सार्थक के साथ मिलकर इस प्रकार के और भी विशाल आयोजन करेगा ताकि पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन के संदेश को घर-घर तक पहुँचाया जा सके।÷ कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद का भी सराहनीय सहयोग रहा।

प्रमुख संगठनों का मिला साथ- इस आयोजन में नगर के अनेक प्रतिष्ठित संगठनों ने सहभागिता कर सामाजिक एकता का परिचय दिया। विशेष रूप से अखिल भारतीय हिंदी साहित्य परिषद् एवं दशपुर जागृति संगठन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इन संस्थाओं के पदाधिकारियों की उपस्थिति ने अभियान को और अधिक मजबूती प्रदान की।

गांधी चौराहे पर ऐतिहासिक मानव श्रृंखला- इस आयोजन में शहर के 15 प्रमुख विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी कला और कल्पना के माध्यम से जल संरक्षण के संदेश को कैनवास पर उकेरा। छात्र-छात्राओं द्वारा चित्रांकन के माध्यम से बनाई इन कलाकृतियों में जल की एक-एक बूंद को बचाने की तड़प और रूफ वाटर हार्वेस्टिंग जैसे समाधानों का अद्भुत संगम देखने को मिला। बच्चों की इस रचनात्मकता ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। नारों से गूंजा शहर का हृदय स्थल चित्रांकन के पश्चात एक जन-जागरूकता रैली निकाली गई। हाथों में जल बचाने की तख्तियां लिए सैकड़ों छात्र-छात्राएं, सार्थक के सदस्य और शहर के जागरूक नागरिक जब नारों के साथ शहर के हृदय स्थल गांधी चौराहे पर पहुंचे, तो वहाँ का दृश्य ऐतिहासिक था। यहाँ एक विशाल मानव श्रृंखला बनाई गई, जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को जल की बूंद-बूंद बचाने के लिए जागरूक करना था। इस दौरान शहरवासियों से रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया गया।

मिट्टी के सकोरे- जीव दया का पारंपरिक संदेश- रैली के समापन पर सहभागी बच्चों को मिट्टी के सकोरे वितरित किए गए। प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण और जीव दया का संदेश देते हुए संस्था की अध्यक्ष डॉ. उर्मिला तोमर ने कहा÷ ÷मिट्टी का एक छोटा सा सकोरा सैकड़ों बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझा सकता है। प्रकृति के प्रति हमारी यह संवेदनशीलता ही सुरक्षित भविष्य की नींव है।÷ संस्था के समर्पण को देख आयोजन के दौरान ही पाँच प्रबुद्ध नागरिकों ने सार्थक की सदस्यता ग्रहण की। डॉ. उर्मिला तोमर ने जिला प्रशासन, नगर पालिका, सहभागी संगठनों, स्कूलों और नगरवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

नीमच में किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस का प्रदर्शनः खरीदी में देरी, मुआवजे और सड़कों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश में किसानों की समस्याओं को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होती नजर आ रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार, 9 अप्रैल को जिला कांग्रेस कमेटी नीमच के नेतृत्व में किसानों के समर्थन में शहर के भारत माता चौराहा (फोर जीरो) पर धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया।

दोपहर 12-30 बजे शुरू हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और किसान शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस ने राज्य सरकार पर किसानों के साथ वादाखिलाफी और दमनकारी रवैया अपनाने के आरोप लगाए।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा कि प्रदेश में गेहूं खरीदी की तारीखों को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। पहले 23 मार्च से प्रस्तावित खरीदी कई स्थानों पर 15 अप्रैल तक टाल दी गई है, जिससे किसान मजबूरी में अपनी उपज कम दामों पर बेचने को विवश हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि समय पर तौल नहीं होने से किसान सहकारी ऋण जमा नहीं कर पाए, जिसके चलते करीब 50 प्रतिशत किसानों को डिफाल्टर घोषित कर दिया गया है।

धरने के दौरान पालसोड़ा-भंवरासा क्षेत्र में हाल ही में हुई ओलावृष्टि का मुद्दा भी उठाया गया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि प्रभावित किसानों को अब तक न तो उचित मुआवजा मिला है और न ही फसल बीमा की राशि का भुगतान हुआ है।

इसके अलावा नीमच-चीताखेड़ा-जीरन मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर भी प्रदर्शन में आवाज उठाई गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि खराब सड़क के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सुधार कार्य नहीं किया जा रहा है।

धरने के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम कलेक्टर प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गेहूं खरीदी तत्काल शुरू करने, डिफाल्टर किसानों को राहत देने, फसल बीमा और ओलावृष्टि मुआवजा जारी करने तथा सड़क के पुनर्निर्माण की मांग की गई है।

कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल चौरसिया, महिला कांग्रेस अध्यक्ष आशा सम्भार, सेवा दल अध्यक्ष गजेंद्र यादव, ब्रजेश मित्तल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष मन्नू बना सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नीमच में आज से तीन दिवसीय जिला स्तरीय पुस्तक मेले का आयोजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र.शासन स्कूल शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 प्रारंभ होने से समस्त शासकीय/अशासकीय विद्यालयों में पठन-पाठन प्रारंभ किया गया है। निजी विद्यालयों हेतु स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा अन्य संबंधित विषयों का विनियमन) नियम-2018 एवं नियम-2020 प्रभावशील है। निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा छात्र या अभिभावकों को पुस्तकें, युनिफार्म, टाई, जुते, कॉपी आदि केवल चयनित विक्रेताओं से क्रय करने के लिए औपचारिक अथवा अनोपचारिक किसी भी रूप में बाध्य नहीं किया जायेगा। अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं केलिए आज से तीन दिवसीय 10 से 12 अप्रैल 2026 तक जिला स्तरीय पुस्तक मेले का आयोजन।

कालिका माता मंदिर लोक और विरुपाक्ष महादेव मंदिर नए स्वरूप में विकसित होगा- कैबिनेट मंत्री

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा रतलाम जिले में कालिका माता मंदिर लोक और विरुपाक्ष महादेव मंदिर बिलपांक को नए स्वरूप में विकसित करने संबंधी कार्य योजना तैयार की गई है। इस संबंध में कैबिनेट मंत्री एवं सूक्ष्म ,लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री श्री चैतन्य काश्यप मध्यप्रदेश शासन, विधायक रतलाम ग्रामीण श्री मथुरालाल डामोर, महापौर श्री प्रहलाद पटेल, कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान इंजीनियर ने रतलाम शहर के कालिका माता मंदिर परिसर और विरुपाक्ष महादेव मंदिर बिलपांक को नए स्वरूप में विकसित करने हेतु नक्शा एवं आमजन को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया। कार्य योजना के अनुसार रतलाम शहर के झाली तालाब के आसपास सुंदर डेकोरेशन लाइटिंग एवं दुर्गा माता के 9 स्वरूपों की आकर्षक झांकी तैयार की जाएगी। आने जाने वाले लोगों के लिए सुलभ रूप में दर्शन व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, फूड् जोन, बैठने की व्यवस्था, लाइटिंग व्यवस्था, झाली तालाब का सौंदर्यकरण, बाउंड्री वॉल, श्रद्धालुओं के लिए गरबा स्थल की व्यवस्था, पेड़ पौधों को आकर्षक रूप से सुसज्जित करने, आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा कर कार्ययोजना बनाई गई। कालिका माता मंदिर लोक का निर्माण होने के बाद परिसर अपने नए स्वरूप में निखरेगा। कालिका माता मंदिर परिसर में मेला लगने के उचित स्थान की व्यवस्था, दुकानों की व्यवस्था आदि के संबंध में भी कार्य योजना तैयार की गई। विरुपाक्ष महादेव मंदिर बिलपांक के मंदिर में मुख्य मंदिर तथा आसपास के चारों मंदिर का आवश्यक सुधार कार्य करते हुए नवीनीकृत किया जाएगा। मंदिर के आसपास परकोटा बनेगा। आमजन की सुविधा अनुसार मंदिर के दर्शन लिए आवागमन की व्यवस्था, पार्किंग की व्यवस्था, आसपास की सभी सड़कों से आवागमन की व्यवस्था आदि की कार्य योजना बनाई गई। दांतोडिया रोड से ग्राम मऊ फंटा तक का डेढ़ किलोमीटर का मार्ग पीडब्ल्यूडी के सहयोग से बनाने के संबंध में चर्चा की गई।

समर्थन मूल्य पर सरकार तारीख पे तारीख देना बंद कर किसानों की फसल जल्द खरीदे-राजानी

कृषि उपज मंडी में किसानों के कई मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुर्जर के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी मंदसौर अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर के नेतृत्व में मंदसौर कृषि उपज मंडी के बाहर विशाल जिला स्तरीय धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में जिलेभर से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं किसानों ने भाग लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई।

इस विशाल धरने को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस प्रभारी मनोज राजानी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों के हितों की लगातार अनदेखी कर रही है। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम कब मिलेगा समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी कब शुरू होगी सरकार तारीख पर तारीख दे रही है। फसल बीमा की राशि लंबित है, ओलावृष्टि से हुए नुकसान का मुआवजा अब तक नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ेगी।

धरने को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि समर्थन मूल्य में गेहूं खरीदी में देरी और अव्यवस्था के चलते किसान अपनी उपज औने-पौने दामों में बेचने को मजबूर हैं। विधायक विपिन जैन ने कहा कि मंडियों में व्याप्त अव्यवस्थाएं और सीमित खरीदी व्यवस्था किसानों के साथ अन्याय है। मंडी में किसानों के लिए पीने के पानी की तक व्यस्था नहीं है। अंत में राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। धरने को संबोधित करने वालो मे पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, परशुराम सिसोदिया, मनजीत सिंह टुटेजा, राजेश रघुवंशी, मुकेश पोरवाल, ओम सिंह भाटी, अजहर हयात मेव, कांतिलाल राठौर, गोविंद सिंह पंवार, डाक्टर प्रीतिपाल सिंह राणा, लियाकत मेव, विजेश मालेचा, विकास दशोरा, अजीत जेन, चंचलेश व्यास, किशोर सिंह पंवार , सुश्री इष्टा भाचावत, कमलेश पटेल, राहुल जेन, सुरेश धाकड़, हनीफ शेख, बालेश्वर पाटीदार, विनोद पटेल, महेश पाटीदार, जगदीश धनगर, परमेश्वर पाटीदार, दुर्गेश सिंह पटेल, सुरेन्द्र कुमावत, दीपक सिंह गुर्जर, गणपत पंवार, तरुण खींची, किशन सिंह चौहान, अनूप व्यास, अजय लोढ़ा, युनुस मेव, कन्हैयालाल सिसोदिया, किशोर गोयल, शौकत मंसूरी, रंजीत सिंह शक्तावत,बसंतीलाल सोलंकी, वीरेंद्र सिंह हाडा, रफत पयामी, निर्विकार रातडिया, मुकेश धाकड़, बाबू खां, अंबालाल हिंगोरिया, रमेश ब्रिजवानी, सम्यक जैन, गोविंद सिंह सिसोदिया के साथ कई लोगो ने सम्बोधित किया। इस अवसर कई कांग्रेसजन मौजूद थे।

एनडीपीएस में शामगढ़ थाने को मिली सफलता, स्विफट कार से 86 किलो डोडाचूरा जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाये जा रहे अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध अभियान अंतर्गत थाना शामगढ़ थाने की पुलिस टीम को थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय के नेतृत्व में सफलता मिली है। आरोपी नरेन्द्र सिंह के कब्जे वाली स्विफट कार से 86 किलो डोडाचूरा जब्त किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देशन में एवं एएसपी गरोठ हेमलता कुरील एवं एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में की गई है। घटना अनुसार 09 अप्रैल को थाना शामगढ़ थाने के सउनि शारदा प्रसाद तिवारी को मुखबिर सूचना मिली। इस पर आरोपी नरेन्द्र सिंह उर्फ शंभु सिंह पिता उमराव सिंह सौंधीया निवासी ग्राम गुराडिया जोगा थाना मिश्रोली जिला झालावाड (राजस्थान) के कब्जे वाली सफेद रंग की स्विफ्ट कार से अवेध मादक पदार्थ डोडाचूरा 86 किलोग्राम कीमती 172000 रुपये का जप्त किया जाकर आरोपी नरेन्द्र सिंह के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इस सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी शामगढ कपिल सौराष्ट्रीय, उपनिरीक्षक रवींद्र प्रताप सिंह दांगी, सउनि शारदा प्रसाद तिवारी, का प्रआर धनपाल जाट , आर विकास राठोर , आर इरफान खान, आर हीरालाल, आर विशाल सिँह चन्द्रावत, आर चालक सुल्तान मंसुरी व टीम का विशेष योगदान रहा।

मनासा पुलिस का सट्टा स्ट्राइक- आईपीएल सट्टेबाजी का भंडाफोड़, लाखों के हिसाब के साथ मनासा का आरोपी गिरफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आईपीएल के शुरू होते ही नीमच जिले में सक्रिय सट्टा माफियाओं के खिलाफ पुलिस ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है। लंबे समय से बनी सुस्ती को खत्म करते हुए मनासा पुलिस ने बुधवार रात एक कार्रवाई को अंजाम दिया। थाना प्रभारी निलेश अवस्थी ने बताया कि पुलिस ने सट्टे की आईडी चला रहे कमल सिंधवानी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, जबकि 'आईडी दाता' राकेश कुशवाह उर्फ ठाकुर फरार है ।

करोड़ों का सट्टा और भांजे का जाल- सूत्रों की मानें तो पुलिस यदि वाकई में मामले में गंभीर है तो यह महज एक प्यादे कि गिरफ्तारी तक सीमित नहीं होना चाहिए। पकड़े गए आरोपी कमल सिंधवानी और फरार राकेश ठाकुर, कुख्यात बंटी-बबली गैंग के गुर्गे बताए जा रहे हैं। यह गैंग नीमच के सबसे बड़े बुकी 'भांजे' के इशारे पर काम करता है। चर्चा है कि इस सिंडिकेट का सवा करोड़ रुपया मासिक मनासा में भांजे के माध्यम से ही बांटा जाता है।

जिले में सट्टे का नेटवर्क इतना गहरा है कि बिना इस भांजे की अनुमति के कोई डिजिटल आईडी तक जारी नहीं होती।

क्या यह कार्रवाई केवल ऊंट के मुंह में जीरा है- मनासा में थाना प्रभारी शिव रघुवंशी के स्थानांतरण के बाद से ही बड़े सटोरियों पर कार्रवाई की उम्मीद की जा रही थी। हालांकि निलेश अवस्थी ने खाता खोल दिया है, लेकिन जानकारों का कहना है कि अगर पुलिस इस सिंडिकेट के बड़े मगरमच्छों और नीमच के उस भांजे तक नहीं पहुंचती, तो यह कार्रवाई महज एक औपचारिकता बनकर रह जाएगी। नीमच जिले में पान की गुमटियों से लेकर घरों तक में इन सटोरियों ने अपने ठीये बना रखे हैं लेकिन लगभग हर थाना क्षेत्र की पुलिस अभी सुस्त ही दिखाई दे रही है।

राहुल अब तक फरार, पुलिस की साख दांव पर- दिखावा या सफाई- पड़ोसी जिले मंदसौर और राजस्थान पुलिस की सक्रियता के बीच नीमच पुलिस पर कारवाई का भारी दबाव था। पूर्व में भी जिले के महागुरु सट्टेबाज राहुल पर केस दर्ज हुआ था, लेकिन वह आज भी पुलिस की पकड़ से बाहर है, जिसे लेकर आम चर्चा है कि उसे अभयदान मिल गया है। सट्टे की काली कमाई से गोवा के आलीशान होटलों में ऐश करने वाले इन सटोरियों ने जिले के युवाओं को बर्बाद कर रखा है।

फिलहाल पुलिस की सायबर टीम फरार राकेश ठाकुर की तलाश में जुटी है, उधर कार्रवाई की खबर लगते ही जिले के कई नामी सटोरिए भूमिगत हो गए हैं। इस मामले में पुलिस को करोड़ों के लेन-देन का हिसाब मिलने की सूचना है। अब देखना यह है कि नीमच पुलिस केवल छोटे प्यादों को पकड़कर अपनी पीठ थपथपाती है या फिर इस बार सट्टे के इस विराट सिंडिकेट की रीढ़ तोड़ने का साहस दिखाएगी।

एमडी ड्रग्स फैक्टरी के मास्टर माइंड ने उगले कईयों के नाम, धरपकड़ हेतु टीमें सक्रिय

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना गरोठ पर अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स के निर्माण की सूचना पर ग्राम सुरजना में मौके पर कार्रवाई कर एनडीपीएस अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। इस पर दिनांक 08 अप्रैल 2026 को प्रकरण के वांछित आरोपी प्रधान सिंह की पुलिस रिमांड प्राप्त की गई। आरोपी प्रधान सिंह द्वारा प्रकरण के आरोपी दीपक को एमडी ड्रग्स बनाने का प्री मिक्सड केमिकल और लिक्विड दिया था। उक्त केमिकल उसके अन्य सहयोगियों हुकम उर्फ होकम सिंह एवं फूल सिंह द्वारा उपलब्ध कराया गया था। दोनों आरोपियों के साथ प्रधान सिंह द्वारा भी उनके निजी घर, खेत, कुएं पर स्थान बदल बदल कर एमडी ड्रग्स बनाना स्वीकार किया। गरोठ थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय द्वारा आरोपियों की तलाश लगातार की जाकर गिरफ्तारी के हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। इसी तारतम्य में दिनांक 07-08 अप्रैल की दरमियानी रात को पुख्ता मुखबिर सूचना एवं डिजिटल साक्ष्य प्राप्त होने पर मिलने के संभावित स्थानों पर दबिश दी गए थी। उक्त आरोपियों को जो कोई संरक्षण दे रहा है ÷रुकने, छुपाने, फरार होने में मदद कर रहा है, भोजन पानी या आवागमन के साधन उपलब्ध करा रहा है तो ऐसे व्यक्तियों को अभीरक्षा में लेकर उचित वैधानिक कार्यवाही कर जेल भेजा जाएगा।

ज़ीरो टॉलरेंस अगेंस्ट सिंथेटिक ड्रग्स- वर्तमान में अवैध मादक प्रदार्थ एमडी ड्रग्स बहुत चलन में हैं जो हमारे देश की नौजवान पीढ़ी को बर्बाद कर रहा हैं। व्यक्ति 02 से 05 वर्ष में शारीरिक रूप से कमज़ोर हो कर दैनिक जीवन जीने योग्य भी नहीं रहता। एमडी ड्रग्स नशा नहीं ज़हर हैं जो देश की नौजवान पीढ़ी को बर्बाद कर रहा हैं। देश की अमूल धरोहर को नुकसान पहुंचा रहा हैं देश को कमज़ोर कर रहा हैं। ऐसे नशे के निर्माण/परिवहन/बिक्री करने में मदद कर रहा हैं या संरक्षण दे रहा हैं उनके खिलाफ भी अनुसंधान कर उचित वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

इंदौर की दंपति ने बचाई चार बच्चों की जान, दलौदा पुलिस ने किया सम्मानित, राहवीर योजना के लिए भेजा नाम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना दलौदा क्षेत्र के आक्या गाँव के पास दिनांक 8 अप्रैल की रात एक चारपहिया वाहन स्कॉर्पियो असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गया, जिसमें कार में सवार 6 बच्चे तथा 4 महिला पुरुष को गंभीर चोटें आई। सूचना मिलने पर दलौदा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची जिस पर वहां से गुजर रहे इंदौर के रहने वाले दम्पति पंकज सिंह पिता जीत सिंह तथा उनकी पत्नी अंजू सिंह पति पंकज सिंह निवासी विजयनगर इंदौर ने पुलिस की घायलों को अस्पताल पहुँचाने में उत्कृष्ट सहायता की गई, अंजू सिंह घायल बच्चों को स्वयं लेकर पुलिस की गाडी में बैठी जिससे समय रहते घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया तथा घायलों की जान बचाई गई। इंदौर के रहने वाले पंकज सिंह तथा उनकी पत्नी अंजू सिंह की इस उत्कृष्ट सहायता के लिए थाना प्रभारी दलौदा उपनिरीक्षक शुभम व्यास द्वारा उन्हें थाना परिसर में बुलाकर स्वागत- सम्मान कर धन्यवाद दिया गया। साथ ही पंकज सिंह तथा अंजू सिंह जी का नाम मध्य प्रदेश शासन की राहवीर योजना 25 हजार रुपये ईनाम हेतु भेजा गया है। दलौदा पुलिस की सभी आम जन से अपील है कि आप सभी किसी एक्सीडेंट में घायल को अस्पताल पहुँचाने में पुलिस की मदद करें।

बोराव में नमोकार दिवस पर श्रद्धा के साथ हुआ सामूहिक पाठ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन समाज बोराव द्वारा नमोकार दिवस के पावन अवसर पर महा मंत्र नमोकार का सामूहिक पाठ श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। इस आयोजन में समाज के सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, महिलाओं और युवाओं की अच्छी उपस्थिति रही। सभी ने एक साथ बैठकर नमोकार मंत्र का जाप किया, जिससे पूरा वातावरण धर्ममय और शांतिपूर्ण हो गया।

इस अवसर पर नमोकार मंत्र के महत्व के बारे में सरल शब्दों में बताया गया और सभी को अपने जीवन में धर्म को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। ऐसे आयोजन समाज में एकता और अच्छे संस्कारों को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम के दौरान पाठशाला के बच्चों को उनके उत्साह और सहभागिता के लिए पुरस्कृत भी किया गया, जिससे बच्चों में विशेष खुशी और उत्साह देखने को मिला।

अंत में सभी ने धर्म लाभ लेकर आयोजन को सफल बनाया।

थाना दलौदा पुलिस ने 24 घंटे में दो अपहृत बालिकाओं को किया दस्तियाब

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेशव्यापी नाबालिक बालक /बालिकाओं को खोजने हेतु मध्यप्रदेश के सभी जिलों मे आपरेशन मुस्कान अभियान संचालित किया जा रहा है, उक्त तारतम्य में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के द्वारा गुम नाबालिग बालक-बालिकाओ के दस्तियाब हेतु चलाये जा रहे मुस्कान अभियान के तहत निर्देश दिए थे। इस पर एसडीओपी ग्रामीण कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन तथा उनि शुभम व्यास थाना प्रभारी थाना दलौदा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छोटी सादड़ी के पास राजस्थान से अपहृत बालिका को बरामद करने में सफलता प्राप्त की। गौरतलब है कि थाना दलौदा पुलिस ने 24 घंटे में दो अपहृत बालिकाओं को दस्तियाब किया है।

घटना इस प्रकार है कि दिनांक 06 मार्च को सूचनाकर्ता द्वारा अपनी नाबालिग बालिका के अपहरण होने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। रिपोर्ट पर से थाना दलोदा पर अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। बाद थाना प्रभारी द्वारा गठित टीम को रवाना कर घटना स्थल अन्य संभावित स्थानो पर तलाश करते विश्वश्नीय मुखबीरो एवं सूचनाकर्ता के रिश्तेदारो की मदद से सुचना संकलन कर अपने व्यवसायिक कौशल का उपयोग कर छोटी सादड़ी के पास राजस्थान से नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर माता पिता को सुपुर्द किया। इस सराहनीय कार्य में उनि शुभम व्यास थाना प्रभारी दलौदा, उनि राधेश्याम पंवार, आर अनिल आर्य, आर युवराज सिंह, प्रआर लक्ष्मी पाटीदार, प्रआर आशा कुमावत, म.आर.राखी गुर्जर, महिला आरक्षक रीना की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पीएनजी गैस कनेक्शन देने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएनजी नेटवर्क बढ़ाने तथा अधिकाधिक उपभोक्ताओं को पीएनजी गैस कनेक्शन देने के संबंध में अपर कलेक्टर डॉ शालिनी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आज 09 अप्रैल को समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें गुजरात गैस के अधिकारी एवं जिला आपूर्ति अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पीएनजी कनेक्शन हेतु कैम्प लगाने तथा व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये गये। रतलाम तथा जावरा नगर के सभी व्यवसायिक उपभोक्ताओं को भी पीएनजी कनेक्शन देने के निर्देश दिये गये है। बैठक में बताया गया कि खाना पकाने के लिए पाइप लाइन प्राकृतिक गैस सुरक्षित, भरोसेमंद और किफायती है। रतलाम शहर में लगभग 30 प्रतिशत जगह में भूमिगत नेचुरल गैस पाइपलाइन का नेटवर्क उपलब्ध है, इनमें से प्रमुख जगह जैसे- प्रताप नगर, सम्यक रेसीडेंसी, मिड टाउन कॉलोनी, मंगलम सिटी आदी।

सम्पादकीय

क्या सुलझ पाएगा नेतृत्व और स्वामित्व का उलझा हुआ समीकरण?

टाटा समूह का वर्ष 1924 में तैयार मुख्यालय बॉम्बे हाउस कंपनी एवं उद्योग जगत के लिए एक ऐतिहासिक पहचान बना हुआ है। मगर दक्षिण मुंबई के फोर्ट में स्थित टाटा समूह का यह केंद्र पिछले कई दशकों से हजारों अहम बैठकों का साक्षी रहा है। फिलहाल यह नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक का कारोबार करने वाले इस विशाल समूह में नेतृत्व संबंधी अनिश्चितताएं दूर करने में जुटा हुआ है।

यहां संदर्भ 24 फरवरी को हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक से है जिसमें टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष नोएल टाटा ने कुछ टाटा इकाइयों (मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, विमानन और ई-कॉमर्स कारोबार) में हुए घाटे से संबंधित सवाल उठाए। वर्ष 2024 में टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष बने नोएल टाटा ने टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने के किसी भी निर्णय को टाटा समूह की वित्तीय स्थिति से जोड़ने का प्रयास किया। फरवरी 2026 की बैठक में चंद्रशेखरन के कार्यकाल विस्तार के विषय पर नोएल टाटा का हस्तक्षेप जुलाई 2025 में टाटा ट्रस्ट्स द्वारा इस मामले पर लिए गए सर्वसम्मत रुख के उलट था।

पिछले साल जुलाई में नोएल टाटा सहित टाटा ट्रस्ट्स ने समूह के बड़े परिवर्तनकारी व्यवसायों में प्रवेश करने के समय नेतृत्व में निरंतरता बनाए रखने के लिए चंद्रशेखरन को टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में तीसरा पांच वर्षीय कार्यकाल देने की सिफारिश की थी।

अप्रत्याशित घटनाक्रम के बाद इस पर करीब से नजर डालना ठीक रहेगा कि टाटा ट्रस्ट्स, उसके न्यासी, उसके अध्यक्ष और नामित निदेशक टाटा संस के संबंध में क्या रुख रखते हैं। टाटा ट्रस्ट्स (जो समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 66फीसदी की बहुल हिस्सेदारी रखता है) समूह का प्रवर्तक है। हालांकि, टाटा ट्रस्ट्स जैसे सार्वजनिक धर्मार्थ न्यासों के न्यासियों को संरक्षक के रूप में वर्णित किया जाता है न कि मालिक के रूप में चाहे उनका पारिवारिक नाम कुछ भी हो। यही कारण है कि टाटा ट्रस्ट्स में कोई भी व्यक्ति मालिक या प्रवर्तक नहीं है।

टाटा ट्रस्ट्स सार्वजनिक धर्मार्थ न्यासों का एक समूह है जो वैश्विक परोपकार के मामले में पारिवारिक न्यासों से भिन्न है। नियमों के अनुसार टाटा ट्रस्ट्स महाराष्ट्र सार्वजनिक ट्रस्ट अधिनियम द्वारा शासित है जो टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष को कोई विशिष्ट अधिकार प्रदान नहीं करता है। यहां कुछ सवाल उठते हैं। पहला, टाटा संस के अध्यक्ष किसके प्रति उत्तरदायी हैं? दूसरा, टाटा संस के अध्यक्ष की नियुक्ति, कार्यकाल या बर्खास्तगी के संबंध में टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष के पास क्या अधिकार हैं? टाटा संस के अध्यक्ष कंपनी के निदेशक मंडल के प्रति उत्तरदायी हैं और साथ ही प्रमुख शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स के प्रति भी जवाबदेह हैं।

टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (एओए) के अनुच्छेद 121ए के अनुसार टाटा संस के प्रमुख बोर्ड निर्णयों के लिए टाटा ट्रस्ट्स द्वारा मनोनीत निदेशकों के सकारात्मक मत की जरूरत होती है। यह टाटा ट्रस्ट्स को रणनीतिक योजनाओं, निवेश और शीर्ष नेतृत्व में बदलाव जैसे टाटा संस के अध्यक्ष की नियुक्ति और बर्खास्तगी सहित प्रमुख मामलों पर वीटो अधिकार प्रदान करता है।

स्थिति को परिप्रेक्ष्य में रखते हुए देखें तो वर्तमान परिदृश्य में जहां नोएल टाटा चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने से पहले टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं वहीं जुलाई 2025 में टाटा ट्रस्ट्स के न्यासियों द्वारा लिए गए सर्वसम्मत निर्णय की किसी भी समीक्षा के लिए भी न्यासियों की सर्वसम्मति आवश्यक होगी।

टाटा ट्रस्ट्स में केवल एक बार मतदान हुआ था और वह मामला सितंबर 2025 में एक मनोनीत निदेशक को हटाने से जुड़ा था। इसके बाद टाटा संस बोर्ड में केवल दो मनोनीत निदेशक नोएल टाटा और उद्योगपति वेणु श्रीनिवासन (टाटा ट्रस्ट्स के उपाध्यक्ष) हैं। टाटा संस बोर्ड के कुल सदस्यों में से (जो वर्तमान में छह हैं) एक तिहाई ट्रस्ट्स के मनोनीत सदस्य हो सकते हैं। यह बताना महत्वपूर्ण है कि टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष को अन्य न्यासियों से अलग कोई विशेष अधिकार प्राप्त नहीं हैं। वैसे तो 2016 में टाटा संस के अध्यक्ष पद से साइरस मिस्त्री को हटाए जाने को व्यापक रूप से तत्कालीन समूह के मानद अध्यक्ष एवं टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष रतन टाटा का निर्णय माना जाता है मगर अंदरूनी सूत्रों के अनुसार यह प्रक्रिया टाटा ट्रस्ट्स का सर्वसम्मत निर्णय था।

रतन टाटा ने न्यासियों की एक बैठक बुलाई और टाटा संस बोर्ड द्वारा उन्हें हटाने के अगले चरण के लिए सर्वसम्मति से स्वीकृति प्राप्त की। ऐसा माना जाता है कि दो दशकों से अधिक समय तक टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष के रूप में रतन टाटा की स्थिति ने उन्हें एक 'अद्वितीय दर्जा' प्रदान किया था।

अधिकार के संदर्भ में बात करें तो वर्तमान स्थिति में एक और बात विचित्र जान पड़ती है। साइरस मिस्त्री विवाद के बाद एओए के अनुच्छेद 118 में संशोधन किया गया ताकि यह प्रावधान किया जा सके कि एक ही व्यक्ति टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स दोनों का अध्यक्ष नहीं हो सकता। संशोधित अनुच्छेद में यह उल्लेख नहीं किया गया कि टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष को टाटा संस के बोर्ड में शामिल नहीं किया जा सकता।

सकारात्मकता व प्रसन्नता का गुणांक कई गुना बढ़ा देता है सहज ध्यान

सहजयोग ध्यान करने की एक अर्वाचीन पद्धति है। जो आज के तनावग्रस्त जीवन में बहुत कारगर साबित हो रही है। आपको ऐसा लगेगा की योगा, ध्यान आदि बुढ़ापे में करने की चीजें हैं परंतु ऐसा नहीं है, आज बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी तनाव में रहते हैं, कुछ न कुछ समस्याओं से घिरे रहते हैं। ऐसा नहीं है कि सहजयोग सीखने के बाद और इस ध्यान मे पारंगत होने के बाद आपके जीवन में समस्यायें नहीं आयेंगी। समर्थ रामदास महाराज कहते हैं (मना त्वाचिरे पूर्वसंचित केले तयासारखे भोगणे प्राप्त झाले) जो कुछ भी शारिरिक या मानसिक भोग हैं वो आपके जीवन में रहेंगे परंतु आप अंदर से इतने शक्तिशाली बन जायेंगे कि उन सभी समस्याओं से प्रभावित न होते हुए आप आसानी से उनसे छूटकर आनंददायी जीवन व्यतीत करने लगेंगें। आपके जीवन में सकारात्मकता व प्रसन्नता का गुणांक कई गुना बढ़ जाएगा।

सहजयोग ध्यान अत्यंत सहज है। प.पूज्य श्री माताजी कहते हैं कि जो साधक अपने आत्म साक्षात्कार को सच्चे हृदय से चाहेगा उसे तत्क्षण ये प्राप्त हो जाएगाऔर इसे प्राप्त करने बाद धीरे-धीरे साधक इस ध्यान की सूक्ष्मताओं को समझकर अपना जीवन सकारात्मक तरीके से बदलने के लिये सदैव प्रयासरत रहता है।

कंठोपनिषद में वर्णित है कि यह मनुष्यरूपी शरीर ग्यारह द्वारोंवाला है और ये शरीर ही उस आत्म रूपी परमेश्वर की नगरी है। वह आनंदस्वरूप परमात्मा सर्वत्र समभाव से सदा परिपूर्ण रहते हुए भी अपनी राजधानी रूपी इस मनुष्य शरीर के हृदयप्रासाद में राजा की भांति विशेष रूप से विराजित रहते हैं। इस रहस्य को समझकर जो मनुष्य इसी जन्म में इस आत्मसाक्षात्कार को पाना चाहते हैं और जो साधक इस शाश्वत सत्य को जानता है वह शोक के कारण रूप संसार बन्धन से छूटकर जन्ममृत्यु के चक्र से सदा के लिये छूट जाता है। यही ब्रम्हसाक्षात्कार है।

वर्तमान में मे इसे पाना सहज हो गया है, बस आपको अपने आत्मसाक्षात्कार की शुद्ध इच्छा कर हर दिन सुबह-शाम 10 मिनट इस ध्यान में स्थित होना होता है और आपकी एकाग्रता परमात्मा से होने लगती है और जीवन में सभी प्रकार के समाधान प्राप्त हो जाते हैं।

क्या भारतीय राजनीति में अब उम्र की सीमा तय होनी चाहिए?

6 अप्रैल को राज्यसभा के शपथ ग्रहण कक्ष में जो दृश्य दिखाई दिया, उसने पूरे देश को भीतर तक झकझोर दिया। 85 वर्षीय शरद पवार व्हीलचेयर पर बैठकर सदन में पहुंचे। सदन में अचानक सन्नाटा छा गया। दशकों तक महाराष्ट्र की राजनीति को अपनी रणनीति, दूरदर्शिता और प्रभाव से दिशा देने वाला यह बड़ा नेता उस दिन बेहद कमजोर और थका हुआ दिखाई दे रहा था। शपथ के शब्द बोलते समय उनकी आवाज कांप रही थी, शब्द लड़खड़ा रहे थे और चेहरा थकान से भरा हुआ था। वह केवल एक शपथ ग्रहण समारोह नहीं था; वह भारतीय राजनीति के सामने खड़ा एक कठोर और असहज प्रश्न था–क्या सत्ता का मोह इतना बड़ा हो सकता है कि शरीर जवाब दे देने के बाद भी नेता कुर्सी छोड़ने को तैयार न हों?

यही वह क्षण था, जिसने राजनीति में सेवानिवृत्ति की आवश्यकता पर नई बहस खड़ी कर दी। जिस प्रकार सेना, न्यायपालिका, प्रशासन और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं में एक निश्चित आयु के बाद व्यक्ति को जिम्मेदारी छोड़नी पड़ती है, उसी प्रकार राजनीति में भी कोई स्पष्ट सीमा क्यों नहीं होनी चाहिए? क्या देश और राज्यों का भविष्य अनिश्चित काल तक कुछ ही लोगों के हाथों में रहना चाहिए? क्या लोकतंत्र का अर्थ केवल यही है कि एक ही पीढ़ी लगातार सत्ता में बनी रहे? राजनीति केवल अनुभव का क्षेत्र नहीं है; यह ऊर्जा, सक्रियता, त्वरित निर्णय और बदलते समय को समझने की क्षमता का भी क्षेत्र है। यदि व्यवस्था में समय पर परिवर्तन नहीं होगा, तो राजनीति धीरे-धीरे ठहराव का शिकार हो जाएगी।

सबसे बड़ा सच यह है कि उम्र के साथ अनुभव बढ़ता है, लेकिन शरीर और मन की सीमाएं भी सामने आने लगती हैं। आज की राजनीति पहले जैसी नहीं रही। अब केवल भाषण देना या चुनाव जीतना काफी नहीं। नेता को तकनीक समझनी होती है, युवाओं की आकांक्षाएं सुननी होती हैं, बदलती अर्थव्यवस्था पर नजर रखनी होती है और तेज फैसले लेने होते हैं। ऐसे समय में यदि कोई नेता शारीरिक रूप से कमजोर हो, चलने-फिरने में कठिनाई हो या लंबे समय तक बोल न पाता हो, तो वह कितनी प्रभावी भूमिका निभा पाएगा? केवल पद पर बने रहना और सक्रिय नेतृत्व करना, दोनों अलग बातें हैं।

शरद पवार के मामले में यह सवाल इसलिए गंभीर हो जाता है, क्योंकि उन्होंने महाराष्ट्र और देश की राजनीति में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाई है। उनके अनुभव और राजनीतिक कौशल पर कभी संदेह नहीं रहा। लेकिन राज्यसभा में शपथ के दौरान उनकी हालत ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। कांपती आवाज और थकी हुई देह देखकर हर किसी के मन में एक ही सवाल उठा–क्या इस अवस्था में वे राज्यसभा में प्रभावी भूमिका निभा पाएंगे? क्या वे किसानों, युवाओं, उद्योगों और विकास के मुद्दों पर पहले जैसी सक्रियता दिखा पाएंगे? जब शरीर जवाब देने लगे, तब कुर्सी पर बने रहना ताकत नहीं, विवशता लगने लगता है।

अब समय आ गया है कि राजनीति में भी सेवानिवृत्ति की एक स्पष्ट सीमा तय हो। यदि 75 या 80 वर्ष के बाद नेता सक्रिय पद छोड़कर मार्गदर्शक बनें, तो इससे राजनीति कमजोर नहीं, बल्कि अधिक मजबूत होगी। उनका अनुभव और प्रभाव खत्म नहीं होगा; वे सलाहकार, संरक्षक और प्रेरणा-स्रोत बने रहेंगे। लेकिन नेतृत्व उन लोगों के हाथों में जाएगा, जिनके पास ऊर्जा, नई सोच और बदलते समय के साथ चलने की क्षमता है। लोकतंत्र की असली ताकत इसी संतुलन में है–जहां अनुभव रास्ता दिखाए और नई पीढ़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाले।

आज देश की राजनीति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि कई दल कुछ पुराने चेहरों तक सिमट गए हैं। नई सोच, नए विचार और नए नेतृत्व के लिए जगह ही नहीं बची। हजारों युवा कार्यकर्ता वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन आगे बढ़ नहीं पाते, क्योंकि ऊपर की जगह खाली नहीं होती। नतीजा यह होता है कि निराशा बढ़ती है, संगठन जड़ हो जाता है और जनता का भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। जब नई पीढ़ी को मौका नहीं मिलेगा, तो युवाओं की समस्याएं कौन समझेगा? बेरोजगारी, शिक्षा, तकनीक, कृषि, स्टार्टअप और बदलती अर्थव्यवस्था को वही पीढ़ी बेहतर समझ सकती है, जो इन्हें खुद जी रही है। इसलिए अब समय है कि नई पीढ़ी के लिए रास्ता खोला जाए।

कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि यदि कोई नेता स्वस्थ है, तो उसे राजनीति में बने रहने का अधिकार है। यह बात कुछ हद तक सही है, लेकिन केवल स्वस्थ होना काफी नहीं। राजनीति में बने रहने का फैसला केवल व्यक्ति की इच्छा नहीं, लोकतंत्र की जरूरत से तय होना चाहिए। यदि हर वरिष्ठ नेता खुद को सक्षम बताकर पद छोड़ने से इंकार करे, तो नई पीढ़ी को अवसर कब मिलेगा? लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि कोई भी पद स्थायी नहीं होता। व्यक्ति पद से बड़ा नहीं होता। उसका सम्मान तब और बढ़ता है, जब वह सही समय पर पीछे हटने का साहस दिखाए। कुर्सी छोड़ना हार नहीं, कई बार सबसे बड़ी जीत होती है।

राज्यसभा में 6 अप्रैल 2026 को सामने आया वह क्षण केवल शरद पवार की निजी अवस्था का दृश्य नहीं था; वह भारतीय राजनीति के लिए एक गहरी चेतावनी बनकर उभरा। उसने साफ संकेत दिया कि जब शरीर जवाब देने लगे, तब अंततः कुर्सी भी किसी नेता को सहारा नहीं दे सकती। सच्चा और महान नेता वही होता है, जो केवल सत्ता पर बने रहना नहीं जानता, बल्कि सही समय पर सम्मान के साथ उसे छोड़ने का साहस भी रखता है। आज शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेताओं के सामने यह अवसर है कि वे स्वयं आगे बढ़कर राजनीति में सेवानिवृत्ति की नई परंपरा शुरू करें। यदि वे सम्मानपूर्वक पीछे हटकर नई पीढ़ी के लिए रास्ता खोलते हैं, तो वही उनका सबसे बड़ा, सबसे प्रेरक और सबसे ऐतिहासिक योगदान माना जाएगा।

-प्रो. आरके जैन

पश्चिम एशिया संकट सुधारों का मौका भी बन सकता है

तमाम विशेषज्ञ और विश्लेषक पश्चिम एशिया की लड़ाई की तुलना कोविड महामारी से कर रहे हैं। सरकार ने भी संसद में कहा है कि इस संघर्ष के कारण उभरे चुनौतीपूर्ण वैश्विक हालात भारत पर गहरा असर डालेंगे। उन्होंने देश को इन हालात से निपटने के लिए तैयार रहने की जरूरत पर भी बल दिया है। ठीक वैसे ही जैसा कि महामारी के समय किया गया था।

इस संदर्भ में एक स्वाभाविक प्रश्न उत्पन्न होता है। पश्चिम एशिया की लड़ाई दो महीने पहले पेश किए गए 2026-27 के केंद्रीय बजट पर क्या असर डालेगी? अतीत अक्सर भविष्य के संकेत समेटे रहता है। पीछे मुड़ें तो यह देखना उचित होगा कि कैसे कोविड महामारी ने एक फरवरी 2020 को प्रस्तुत 2020-21 के बजट के लिए प्रस्तुत समस्त आंकड़ों को ध्वस्त कर दिया था।

याद कीजिए कि कैसे बजट के दो दिन पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 महामारी को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा घोषित की थी। 17 जनवरी के बाद से भारत सरकार ने भी कोविड के प्रभाव का आकलन करने का प्रयास शुरू कर दिया था। इनमें प्रवेश बिंदु और समुदाय स्तर पर निगरानी शुरू करने के कदम, क्वारंटीन सुविधाएं और आइसोलेशन वार्ड स्थापित करना, पर्याप्त व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना, प्रशिक्षित जनशक्ति और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों की व्यवस्था करना शामिल था।

इसके बावजूद 2020-21 के लिखित बजट भाषण में महामारी की चुनौतियों का कोई जिक्र नहीं था। यकीनन बजट पेश किए जाने के बाद हर बीतते दिन के साथ कोविड के हालात बद से बदतर होते गए। सरकार ने 24 मार्च 2020 को देशव्यापी लॉकडाउन लगा दिया जिसे दो महीने बाद मई के अंत में हटाया गया। कर राहत की मांग भी बढ़ रही थी लेकिन सरकार ने और कोई बड़ी कर रियायत नहीं दी। केवल व्यवसायों को करों पर रिफंड शीघ्र सुनिश्चित करने और स्रोत पर कर कटौती तथा स्रोत पर कर संग्रह की दरों में 25 फीसदी की कमी करने के उपाय किए गए।

सरकार ने कई योजनाओं के लिए वित्तीय आवंटन भी बढ़ाया ताकि छोटे और मध्यम व्यवसायों को बढ़ी हुई क्रेडिट गारंटी और नकदी समर्थन मिल सके। आर्थिक गतिविधियों पर कोविड महामारी का शुद्ध प्रभाव बहुत अधिक था। इसने सरकार के कर संग्रह पर भी गहरा असर डाला। छोटे और मझोले उपक्रमों के लिए नकदी समर्थन और ऋण गारंटी योजनाओं ने भी सरकार का व्यय बढ़ाया। 2020-21 में वास्तविक सकल कर राजस्व 20.27 लाख करोड़ रुपये रहा जो 24.23 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से 16 फीसदी कम था। गैर कर राजस्व को 46 फीसदी की चोट पहुंची और वह 3.85 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान की तुलना में केवल 2.08 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन 2020-21 में वास्तविक राजस्व व्यय 17 फीसदी बढ़कर लगभग 30.83 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। उर्वरक सब्सिडी 80 फीसदी बढ़ी और खाद्य सब्सिडी बजट अनुमान की तुलना में 370 फीसदी तक बढ़ गई।

-धनंजय राजौरा

ईरान से खाली हाथ लौटे ट्रंप, सीज-फायर या सामरिक तैयारी का विकल्प

अमेरिका, इजरायल और ईरान युद्ध ने एक अंतरराष्ट्रीय महायुद्ध का भीषण रूप ले लिया था जिसमें न सिर्फ अरबों की आर्थिक क्षति हुई बल्कि हजारों लोगों के जीवन की आहुति भी दे दी गई थी। सीज फायर की इसलिए भी आवश्यकता थी कि इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी देशों को आर्थिक संकट में डाल दिया था। इस महायुद्ध को लेकर सभी देशों में एक बड़े संकट की स्थिति सामने आ गई थी। बढ़ते सैन्य तनाव के बीच जिस प्रकार अचानक सीज-फायर की घोषणा पूरे विश्व में शांति स्थापना की आशा को एक मूल आधार देखकर मानवता के लिए एक राहत की बात भी रही है। इसके अलावा इस सीजफायर ने विश्व राजनीति के गलियारों में अनेक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। विशेषकर तब जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक रणनीतियों और कठोर बयानों के बावजूद यह युद्ध निर्णायक मोड़ तक नहीं पहुँच सका। अंततः अमेरिका को एक प्रकार से खाली हाथ लौटना पड़ा, यह केवल सैन्य विफलता नहीं बल्कि वैश्विक कूटनीतिक समीकरणों की जटिलता के असफल होने का प्रमाण भी है।अमेरिका ने इस पूरे अभियान में एक तथाकथित पाँच सूत्रीय कार्यक्रम के तहत आगे बढ़ने की कोशिश की थी जिसमें ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करना, उसकी सैन्य क्षमता को कमजोर करना, ईरान में नेतृत्व परिवर्तन करना और आंतरिक अस्थिरता को बढ़ावा देना, अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना और इजरायल की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रमुख लक्ष्य थे।

इन कठिन लक्ष्यों की प्राप्ति उतनी सरल नहीं थी जितनी अमेरिका और इसराइल प्रशासन तथा खुफिया तंत्र ने प्रारंभ में कल्पना की थी। अमेरिका इजरायल की इस युद्ध में ईरान पर विजय की असफलता के कई समीकरण तथा कारण रहे हैं अमेरिका इजरायल की इस अल्फान्ता ने यह साबित कर दिया है कि केवल ताकत के दम पर दुनिया में राज नहीं किया जा सकता उसके लिए मानसिक बौद्धिक क्षमता दूरगामी योजना कूटनीति और रणनीति भी अत्यंत आवश्यक होती है।

इस युद्ध में अमेरिका के पीछे हटने के कई कारणों में से सबसे पहली और बड़ी मजबूरी अमेरिका की यह रही कि ईरान की सैन्य और रणनीतिक तैयारी अपेक्षा से कहीं अधिक सुदृढ़ निकली,ईरान ने न केवल अपने परमाणु ठिकानों को सुरक्षित रखा बल्कि अपनी मिसाइल क्षमता और ड्रोन तकनीक के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया कि वह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के युद्ध में सक्षम है। दूसरी ओर इजरायल, जो इस पूरे संघर्ष में अमेरिका का प्रमुख सहयोगी था जिसके कहने पर या उकसाने पर अमेरिका इस युद्ध में शामिल हुआ था,उसे भी भारी सैन्य दबाव और संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ा। लंबे समय तक इसराइल-हमास- फिलिस्तीन युद्ध खींचने की स्थिति और ईरान जैसे शक्तिशाली देश के विरुद्ध संघर्ष में इजरायली सेना के भीतर थकान, सैनिकों की भारी कमी और मनोबल में गिरावट जैसे संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे थे, तीसरी महत्वपूर्ण मजबूरी अमेरिका के भीतर ही उत्पन्न हो रही राजनीतिक और सामाजिक असहमति थी। अमेरिकी संसद, मीडिया और आम जनता के एक बड़े वर्ग ने इस युद्ध को अनावश्यक और आर्थिक रूप से चुनौती पूर्ण एवं खर्चीली तथा महंगा बताया और इस महंगे अनावश्यक युद्ध का खुलकर विरोध किया था।

पहले से ही आर्थिक चुनौतियों, महंगाई और वैश्विक व्यापार असंतुलन से जूझ रहे अमेरिका के लिए एक और लंबा युद्ध झेलना आसान नहीं था। चौथी वजह अंतरराष्ट्रीय दबाव और कूटनीतिक अलगाव का खतरा था रूस, चीन और कई यूरोपीय देशों ने खुलकर या परोक्ष रूप से इस युद्ध का विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र में भी इस मुद्दे पर अमेरिका को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल सका, जिससे उसकी वैश्विक छवि पर असर पड़ा है।, पाँचवीं मजबूरी ऊर्जा संकट और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव था, मध्य पूर्व में अस्थिरता का सीधा असर तेल की कीमतों पर पड़ता है, और यदि यह युद्ध लंबा चलता तो पूरी दुनिया में आर्थिक संकट गहराने की आशंका थी, जो अंततः अमेरिका के अपने हितों के खिलाफ जाता।छठी वजह ईरान की क्षेत्रीय पकड़ और उसके सहयोगी समूहों की सक्रियता थी, यमन, लेबनान और इराक जैसे क्षेत्रों में ईरान समर्थित समूहों ने अमेरिकी और इजरायली हितों को चुनौती दी, जिससे यह संघर्ष केवल एक देश तक सीमित न रहकर बहुस्तरीय युद्ध का रूप लेने लगा। सातवीं मजबूरी यह भी कि अमेरिका को इस युद्ध में कोई स्पष्ट और त्वरित सफलता नहीं मिल रही थी।बमबारी के बावजूद ईरान की क्षमताओं को निर्णायक रूप से खत्म नहीं किया जा सका, जिससे युद्ध का उद्देश्य अधूरा रह गया, आठवीं वजह साइबर और खुफिया युद्ध में ईरान की अप्रत्याशित दक्षता थी, जिसने अमेरिकी योजनाओं को कई बार विफल किया, नौवीं मजबूरी वैश्विक जनमत का बदलता रुख था। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध विरोधी प्रदर्शन होने लगे, जिससे अमेरिका पर नैतिक दबाव भी बढ़ा, दसवीं वजह यह थी कि अमेरिका पहले से ही कई मोर्चों पर उलझा हुआ था, चाहे वह यूक्रेन-रूस संघर्ष हो या एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा, ऐसे में एक और बड़ा युद्ध उसके लिए रणनीतिक रूप से जोखिम भरा था। ग्यारहवीं वजह इजरायल के भीतर भी बढ़ता असंतोष था, जहां आम नागरिकों और राजनीतिक वर्ग के बीच इस युद्ध को लेकर मतभेद उभरने लगे थे।बारहवीं मजबूरी यह रही कि युद्ध की लागत लगातार बढ़ रही थी, और इसका कोई स्पष्ट अंत नजर नहीं आ रहा था। तेरहवीं वजह यह थी कि ईरान ने अपनी रणनीति में धैर्य और संतुलन बनाए रखा, जिससे वह अमेरिका को उकसाने के बजाय थकाने की नीति पर चलता रहा। चौदहवीं मजबूरी यह थी कि अमेरिका की खुफिया एजेंसियां ईरान की वास्तविक सैन्य क्षमता का सही आकलन करने में असफल रहीं, पंद्रहवीं वजह यह भी रही कि युद्ध के चलते वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने लगी थी, जिससे अमेरिका के अपने व्यापारिक हितों को नुकसान हो रहा था। इन कई कारणों ने मिलकर अमेरिका को उस स्थिति में ला खड़ा किया जहां सीजफायर ही एकमात्र व्यवहारिक विकल्प बचा था। यह सीजफायर केवल युद्ध का विराम नहीं बल्कि एक संदेश भी है कि आधुनिक विश्व में केवल सैन्य शक्ति के बल पर किसी भी संघर्ष को निर्णायक रूप से जीतना संभव नहीं है। कूटनीति, आर्थिक संतुलन, जनमत और वैश्विक सहयोग जैसे तत्व भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इस पूरे घटनाक्रम में यह कहा जा सकता है कि अमेरिका का यह मिशन अपने घोषित उद्देश्यों में सफल न हो सका हो, लेकिन इसने विश्व को यह जरूर दिखा दिया कि शक्ति के शिखर पर बैठे देश भी परिस्थितियों के आगे विवश हो सकते हैं। कभी-कभी बड़े बेआबरू होकर लौटना भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति की एक सच्चाई बन जाती है।

-संजीव ठाकुर

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने सीमापार रोबोटिक सर्जरी करके स्थापित किया नया कीर्तिमानः मुंबई में बैठे सर्जन ने मस्कट में मरीज़ की रेडिकल नेफरेक्टोमी की

विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के अवसर पर, जिसका इस वर्ष का संकल्प है –स्वास्थ्य के लिए एकजुट, विज्ञान के साथ अटूट, कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल ने वैश्विक चिकित्सा के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की एक विस्मयकारी मिसाल पेश करते हुए, डॉ. टी. बी. युवराजा ने मुंबई में बैठकर मस्कट (ओमान) के मेडिकल सिटी अस्पताल में भर्ती एक 55 वर्षीय महिला की सफल रोबोटिक रेडिकल नेफरेक्टोमी (किडनी निकालने की जटिल सर्जरी) संपन्न की। अत्याधुनिक मेडबॉट तौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम के जरिए अंजाम दी गई यह ऐतिहासिक प्रक्रिया भारत की पहली क्रॉस-बॉर्डर रिमोट रोबोटिक सर्जरी मानी जा रही है। यह उपलब्धि उस भविष्य की ओर एक निर्णायक कदम है, जहाँ भारतीय डॉक्टरों की विशेषज्ञता भौगोलिक सीमाओं को लांघकर दुनिया भर के मरीज़ों को वास्तव में जीवनदान दे सकेगी।

अत्याधुनिक रोबोटिक प्रणालियों और निर्बाध रियल-टाइम कनेक्टिविटी की मदद से, इस सर्जरी को असाधारण सटीकता और नियंत्रण के साथ पूरा किया गया। इस सफलता ने दुनिया के सामने क्रॉस-बॉर्डर रिमोट सर्जरी की विश्वसनीयता और क्लिनिकल सक्षमता का लोहा मनवाया है। यह क्रांतिकारी उपलब्धि अस्पताल के भविष्य के लिए तैयार और सशक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर के कारण ही संभव हो सकी है। कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल, भारत का अग्रणी सेंटर फॉर रोबोटिक सर्जरी का केंद्र है और देश की पहली मेडबॉट तौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम भी यहां है। तीन अत्याधुनिक रोबोटिक प्लेटफॉर्म्स से लैस यह अस्पताल, मल्टी-डिसिप्लिनरी रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में देश का नंबर-1 निजी चिकित्सा केंद्र बनकर उभरा है।

कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल्स के यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी (ग्रुप) डायरेक्टर, डॉ. टी. बी. युवराजा ने–जिनके पास 4200 से भी ज़्यादा रोबोटिक सर्जरी का अनुभव है–इस ऐतिहासिक सफलता पर कहा- आज हम वैश्विक स्वास्थ्य सेवा के वितरण में एक बुनियादी और क्रांतिकारी बदलाव के साक्षी बन रहे हैं। सीमाओं के पार रियल-टाइम में सर्जरी करने की क्षमता का सीधा अर्थ है कि अब बेहतरीन चिकित्सा विशेषज्ञता तक पहुँच भौगोलिक दूरियों की मोहताज नहीं रही। यह मील का पत्थर महज एक सफल ऑपरेशन नहीं है, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि भविष्य की स्वास्थ्य सेवाएँ भौतिक सीमाओं को कितनी तेजी से लांघ रही हैं। जैसे-जैसे तकनीक हमें सात समंदर पार भी सटीक उपचार पहुँचाने में सक्षम बना रही है, भारत इस महा-परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब हम केवल इलाज के एक डेस्टिनेशन ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर रियल-टाइम मेडिकल विशेषज्ञता प्रदान करने वाले एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के लिए थोक एलपीजी आवंटन का विस्तार किया

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आपूर्ति की बदलती परिस्थितियों के बीच औद्योगिक उपयोग के लिए लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की निरंतर और स्थिर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक आदेश जारी किया है।

भारत सरकार के सभी सचिवों और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को जारी किए गए एक पत्र में, मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने कहा कि फार्मा, फ़ूड प्रोसेसिंग, पॉलिमर, कृषि, पैकेजिंग, पेंट, स्टील, मैटल, सेरेमिक, ग्लास, एयरोसोल, फाउंड्री, फोर्जिंग, भारी जल, यूरेनियम और बीज क्षेत्रों में सक्रिय औद्योगिक इकाइयों को मार्च 2026 से पहले की उनकी थोक एलपीजी खपत का 70 फीसदी हिस्सा मिलेगा, बशर्ते कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रतिदिन 0.2 टीएमटी की ऊपरी सीमा लागू हो। यह 16 से 27 मार्च के बीच हुए कम्युनिकेशन पर आधारित है, जिसमें अतिरिक्त 10 फीसदी हिस्सा 'पाइप्ड नेचुरल गैस' (पीएनजी) सुधार के लक्ष्यों से जोड़ा गया है। यह दृष्टिकोण एलपीजी के संतुलित वितरण को सुनिश्चित करता है, और साथ ही वैकल्पिक ईंधन के बुनियादी ढांचे की ओर बढ़ने में भी मदद करता है।

मंत्रालय ने आगे कहा कि जिन उद्योगों में एलपीजी निर्माण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण और जिसका कोई विकल्प नहीं है, उन्हें आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे क्षेत्रों के लिए, पीएनजी कनेक्टिविटी के लिए आवेदन की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि निर्धारित शर्तों का पालन करते हुए भी औद्योगिक संचालन पर कोई प्रभाव न पड़े। मंत्रालय ने उन उद्योगों के बीच भी स्पष्ट अंतर किया है जो ईंधन के रूप में एलपीजी का उपयोग करते हैं, और समय के साथ पीएनजी पर स्थानान्तरित हो सकते है। साथ ही वे उद्योग जिनके लिए एलपीजी मैनुफैक्चरिंग में अनिवार्य हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दोनों ने ही पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद, घरेलू एलपीजी की कीमतों में स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है। इसी दिशा में, सरकार ने बढ़ती कीमतों का बोझ खुद उठाने का निर्णय लिया है; इसके लिए वह तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के माध्यम से लागत को समायोजित कर रही है और घरेलू उत्पादन को बढ़ा रही है, ताकि कीमतों का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर न पड़े।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी सलाह दी गई है कि वे 'प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाइपलाइन और अन्य सुविधाएं) आदेश, 2026' के प्रावधानों को सभी संबंधित हितधारकों तक पहुंचाएं, सुधारों से जुड़े अतिरिक्त एलपीजी आवंटन का तुरंत उपयोग करें, और पहले सूचित की गई सीबीजी नीति की अधिसूचना जारी करने में तेजी लाएं; ये सभी कदम ऊर्जा की पहुंच और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार के व्यापक प्रयासों के अनुरूप हैं। भारत अपनी 60 फीसदी एलपीजी आयात करता है, और इसका लगभग 90 फीसदी हिस्सा आम तौर पर होर्मुज़ से होकर गुज़रता है। इस मार्ग पर तनाव बढ़ने के कारण मासिक आयात जो फरवरी में 2.04 मिलियन टन था वह मार्च में घटकर 1.12 मिलियन टन रह गया, यानी 30 दिनों के भीतर 45 फीसदी की भारी गिरावट देखी गई।

रोजगार मूलक शिक्षा प्रदान कर रही नई शिक्षा नीतिः मंत्री श्री सिंह

सरदार वल्लभ भाई पटेल सांदीपनि शासकीय उमावि के नवीन भवन का शुभारंभ

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह ने गुरूवार को जिला मुख्यालय स्थित 58 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित सरदार वल्लभ भाई पटेल सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का शुभारंभ फीता खोलकर किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय भवन की अरूण एवं उदय कक्षाओं का अवलोकन कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं दी। जहां, उनका छोटे-छोटे बच्चों ने अपने हाथों से बनाए पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। इसके उपरांत उन्होंने प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में सहभागिता की।

प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने नवीन विद्यालय भवन के शुभारंभ अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिन विद्यालय परिवार के लिए ऐतिहासिक है और आने वाले अनेक दशकों तक विद्यार्थी इस नवीन सांदीपनि विद्यालय में अध्ययन कर अपने भविष्य का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। क्षेत्रीय सांसद महेन्द्रसिंह सोलंकी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सहित शाजापुर जिला शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। विधायक अरूण भीमावद ने कहा कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन जीने वाले एवं मध्यमवर्गीय परिवार का सपना था कि नीजी विद्यालय की तर्ज पर शासकीय स्कूल भवन हो, अच्छी शिक्षा और अच्छे शिक्षक मिले, यह सपना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह के नेतृत्व में साकार हुआ हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया, नगरपालिका उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, डॉ. रवि पाण्डे, योगेन्द्र सिंह जादौन (बंटी बना), अनुविभागीय अधिकारी मनीषा वास्कले, शीतल भावसार, पं. आशीष नागर, हरिओम गोठी आदि उपस्थित थे।

ग्रीष्म ऋतु में गौवंश की सेवा हेतु आधुनिक पहल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रीष्म ऋतु की तीव्र गर्मी को ध्यान में रखते हुए शंकरगढ़ गौशाला में गौवंश की सेवा एवं देखभाल के लिए एक सराहनीय पहल की गई। संस्था अभिरंग द्वारा गौशाला हेतु हाई प्रेशर क्लीनर मशीन का क्रय किया गया, जिससे गौवंश को गर्मी से राहत प्रदान की जा रही है। इस मशीन के माध्यम से गायों की बॉडी मसाज की गई एवं उनके शरीर पर जमी गंदगी (गिचोड़ी) को साफ किया गया, जिससे पशुओं को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य लाभ मिला। यह मशीन महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल एवं आयुक्त दलीप कुमार की प्रेरणा से क्रय की गई, जिसे स्वास्थ्य निरीक्षक एवं नोडल अधिकारी हरेंद्र सिंह ठाकुर की उपस्थिति में गौशाला स्टाफ को सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर गौशाला संचालक बसंत वर्मा एवं स्टाफ द्वारा गौवंश को स्नान कराया गया। साथ ही, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजकुमार जैन द्वारा गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम में गौशाला संचालक बसंत वर्मा एवं संदीप बैरागी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में कार्यक्रम स्थल का कलेक्टर-एसपी ने किया निरीक्षण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के 12 अप्रैल को आष्टा में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के पश्चात कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक आयोजित कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां समय से पहले ही पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आगमन, निर्गमन, पेयजल, बैरिकेडिंग, पार्किंग, फायर ब्रिगेड, यातायात, बैठक व्यवस्था एवं साफ सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने सभी पुलिस अधिकारियों को कार्यक्रमों में सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 12 अप्रैल को आष्टा में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का कार्यक्रम प्रस्तावित है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री नितिन टाले, तहसीलदार श्री रामलाल पगारे, जनपद सीईओ श्री अमित व्यास सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आरटीओ ने जप्त की स्लाइडर लगी स्लीपर बस, पीयूसी नहीं होने पर 6 बसों पर किया 30 हजार का अर्थदण्ड

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान द्वारा जिले में यात्री बसों के विरूद्ध विशेष जॉच अभियान चलाया गया। चैकिंग कार्यवाही में यात्री बसों विशेषकर स्लीपर बसों की जॉच की गई जिसमें शासन द्वारा दिये गये मापदण्डों के अनुरूप निर्माण के संबंध में जॉच की गई। जॉच किये जाने पर एक स्लीपर यात्री बस जिसमें स्लाईडर लगे हुए थे, को तत्काल जप्त कर अभिरक्षा में लिया गया, मौके पर ही उक्त स्लीपर बस में लगे स्लाईडर को हटाया गया। एक अन्य यात्री बस का परमिट शर्तों के उल्लंघन में जप्त किया गया। चैकिंग कार्यवाही में यात्री बसों में निर्धारित दस्तावेजों जैसे परमिट, फिटनेस, बीमा, पीयूसी के साथ ही आपातकालीन द्वार, अग्निशमन यंत्र तथा सुरक्षा मानकों की विशेष जाँच की गई। आज की गई चैकिंग कार्यवाही में 2 यात्री बसों, तथा एक मालवाहक वाहन को जप्त कर परिवहन कार्यालय परिसर में अभिरक्षा में रखा गया। साथ ही 6 वाहनों पर पीयूसी नहीं पाए जाने पर चालानी कार्यवाही कर 30000 रुपए अर्थदण्ड किया गया।

उल्लेखनीय है कि परिवहन विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा समस्त परिवहन अधिकारियों को यात्री बसों एवं स्लीपर बसों में सुरक्षा संबंधी मानकों जैसे आपातकालीन द्वार, अग्निशमन यंत्र, वीएलटीडी डिवाइस, स्लाइडर इत्यादि के संबंध में विशेष जॉच अभियान चलाने के संबंध में आदेश जारी किये गये हैं।

परिवहन अधिकारी ने मौके पर समस्त वाहन चालकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपनी-अपनी बसों का संचालन यातायात नियमों के अनुरूप ही करें, किसी भी परिस्थिति में ओव्हरलोडिंग एवं ओव्हर स्पीडिंग ना की जावे। नियमों का पालन नहीं किये जाने पर वाहन एवं वाहन चालकों के विरूद्ध सख्ती से चालानी कार्यवाही की जावेगी। परिवहन अधिकारी द्वारा बताया गया कि चैकिंग अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

जिले में विश्व होम्योपैथी दिवस पर 10 अप्रैल को स्वास्थ्य शिविर का किया जाएगा आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व होम्योपैथी दिवस, हैनीमेन जयंती पर 10 अप्रैल 2026 शुक्रवार को जिले में कई स्थानों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जायेगा। जिला आयुष अधिकारी डॉ. ममता जूनवाल ने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य सेवा प्रदाय संबंधी क्रियाक्लापों में होम्योपैथी के जनक डॉ. हैनीमेन की जयंती तथा विश्व होम्योपैथी दिवस के उपलक्ष्य में 04 विभिन्न स्थानों पर विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए जायेंगे जिसमें होम्योपैथी के विशेषज्ञ डॉक्टर्स अपनी सेवाएं देंगे। उन्होंने बताया कि देवास में ध्वनि टेरेफेब एक्सपोर्ट्स प्रा.लि. टाटा चौराहा देवास, उपस्वास्थ केंद्र प्रागंण दुलवा खातेगांव, आयुष्मान आरोग्य मंदिर कैलोद एवं शासकीय होम्योपैथिक औषधायल बागली में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे। उन्होंने जिले के नागरिकों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इन शिविरों का लाभ लेवें।

पेयजल आपूर्ति के लिए 61 ग्रामों की नल जल प्रदाय योजनाओं के पंप ऑपरेटर्स को दिया गया प्रशिक्षण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सुचारु आपूर्ति बनाए रखने के लिए नल जल प्रदाय योजनाओं के ऑपरेटर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इसके साथ ही स्कूल एवं आंगनबाड़ियों में पेयजल स्त्रोतों का जल परीक्षण, अहस्तांतरित नल जल प्रदाय योजनाओं में पाइप लाइन एवं नलों के लीकेज रिपेयरिंग का कार्य एवं पेयजल स्त्रोतों के आस-पास सफाई का कार्य किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत अभी तक 61 ग्रामों की नल जल प्रदाय योजनाओं के पंप ऑपरेटर्स को प्रशिक्षण दिया गया है। इसी प्रकार 183 स्कूलों एवं 73 आंगनबाड़ी केन्द्रों में किट के माध्यम से जल परीक्षण का कार्य किया गया है। 35 ग्रामों में पाइप लाइन के लीकेज रिपेयरिंग, 15 ग्रामों में नल कनेक्शन की रिपेयरिंग एवं 37 ग्रामों के पेयजल स्त्रोतों के आस-पास सफाई का कार्य किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजनाओं में भू-जल स्त्रोतों के रिचार्ज के लिए 91 ग्रामों के 148 स्त्रोतों का चयन रिचार्ज शाफ्ट हेतु किया गया है, जिसका कार्य जनपद पंचायत के माध्यम से किया जाएगा।

विधायक मनोज चौधरी एवं कलेक्टर ने स्टील साइलो उपार्जन केन्द्री पर किसानों को तिलक लगाकर एवं फूलमाला पहनाकर किया स्वागत

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की शुरुआत गुरुवार से हो गई। पहले ही दिन हाटपीपल्या विधायक मनोज चौधरी, कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने दुर्गापुरा स्थित स्टील सायलो उर्पाजन केंद्र पर अपनी उपज विक्रय करने आए किसानों का तिलक लगाने के साथ माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया और रिबन काटकर गेहूं उपार्जन की शुरुआत की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर संजीव जैन, जिला आपूर्ति अधिकारी दिनेश अहिरवार, बहादुर मुकाती, सायलो केंद्र के प्रबंधक सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं कृषकगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधायक मनोज चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आज गेहूं उपार्जन का कार्य प्रारंभ किया गया है। किसानों को उनकी फसल का उचित भाव मिले यह मप्र सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को उपज बेचने में परेशानी न हो इसके लिए शासन-प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। उन्होंने कहा कि जो किसान बाहर से आते हैं उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके लिए यहां पीने के पानी, छांव सहित अन्य सुविधाएं देने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। उपार्जन केंद्रों पर शासन द्वारा की जा रही सुविधाओं के लिए मैं किसानों की ओर से प्रदेश के मुख्यमंत्री जी का हृदय से धन्यवाद व्यक्त करता हूं।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह, विधायक श्री मनोज चौधरी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने किसानों की उपज आने से लेकर नमी की जांच, वजन और उपज सायलो में खाली होने तक की पूरी प्रक्रिया को देखा। इस दौरान कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए छाया, ठंडे पानी की व्यवस्था और शौचालय का प्रबंध किया जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाएगा।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सायलो केंद्र पर गेट के अंदर गाड़ी आने से खाली होकर बाहर निकलने तक महज 01 घंटे का समय लगेगा। यहां एक साथ 6 गाड़ियां खाली हो सकती हैं। उपार्जन केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कर ली गई है। उपार्जन केंद्रों पर कांटे की व्यवस्था की गई, आवश्यकतानुसार उन्हें बढ़ाया जाएगा। कलेक्टर सिंह ने बताया कि रबी विपणन मौसम 2026-27 जिले में गेहूं उपार्जन के लिए कुल 77335 किसानों ने पंजीयन कराया है। गेहूं उपार्जन के लिए जिले में कुल 131 गेहूं उपार्जन केन्द्र स्थापित किये गये है। कलेक्टर सिंह ने किसान भाईयों से अनुरोध है कि वे उपार्जन केंद्रों पर आकर अपनी गेहूं की उपज को लेकर आए तथा आसानी से विक्रय करें।

जिला आपूर्ति अधिकारी दिनेश कुमार अहिरवार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन मौसम 2026-27 हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन नीति एवं एसओपी जारी गई है। समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय हेतु ई-उपार्जन पोर्टल पर स्लॉट बुक करने की सुविधा (सप्ताह में 05 दिवस सोमवार से शुक्रवार) उपलब्ध कराई गई है। किसान अपनी सुविधा अनुसार दिनांक एवं गेहूं उपार्जन केन्द्र का चयन कर स्लॉट बुक कर सकते है। जिले के समस्त उपार्जन केन्द्रों पर किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय हेतु दिनांक 09, 10, 13, 15, 16, 17 अप्रैल 2026 के लिए कुल 10324 स्लॉट बुक कर लिये गये है।

क्षीर धारा ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के कलेक्टर ने दिए निर्देश

योजना की मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तरीय क्षीर धारा ग्राम संयुक्त समन्वय समिति गठित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा क्षीर धारा ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेशानुसार योजना के तहत चयनित ग्रामों में पशुपालन एवं कृषि आधारित गतिविधियों को सुदृढ़ करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि शासन द्वारा वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप मनाया जा रहा है, इसलिए प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के महत्वकांक्षी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए क्षीर धारा ग्राम योजना का महत्व और अधिक बढ़ गया है।

कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशानुसार योजना के सफल संचालन के लिए पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही चयनित ग्रामों में संयुक्त समितियों का गठन कर योजनाओं के क्रियान्वयन को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जारी आदेशानुसार प्रत्येक चयनित ग्राम में योजना अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों जैसे दुग्ध उत्पादन, पशुपालन, चारा विकास, कृषि उन्नयन एवं आयवर्धन से जुड़ी गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए संबंधित विभागों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार के अनुसार कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कृषि विभाग को निर्देशित किया गया है कि वह चयनित ग्रामों में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, फसल विविधीकरण तथा उत्पादन बढ़ाने के उपायों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करे। साथ ही किसानों को योजनाओं से जोड़ते हुए एफपीओ के माध्यम से संगठित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जाएं।

पशुपालन विभाग को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण, नस्ल सुधार एवं चारा प्रबंधन जैसे कार्यों को प्राथमिकता से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त योजना के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की सतत मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए भी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए हैं कि योजना के अंतर्गत किए जाने वाले सभी कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे नियमित रूप से मैदानी भ्रमण कर प्रगति की समीक्षा करें और आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कदम उठाएं।

जिला स्तरीय क्षीर धारा ग्राम संयुक्त समन्वय समिति गठित-कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा क्षीर धारा ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तरीय क्षीर धारा ग्राम संयुक्त समन्वय समिति का गठन किया गया है।

यह समिति जिले में %क्षीर धारा ग्राम योजना के लिए समन्वित कार्ययोजना तैयार करेगी तथा सभी विभागों के संसाधनो का समन्वित उपयोग सुनिश्चित करते हुए योजना क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का समाधान करेगी। यह समिति प्रत्येक माह में एक बार अनिवार्य रूप से बैठक आयोजित करेगी तथा योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करेगी।

पहले दिन 15 किसानों से की गई 570 क्विंटल गेंहू की खरीदी

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य उत्साह और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ प्रारंभ हो गया है। सीहोर मंडी स्थित उपार्जन केंद्र एवं टकीपुर उपार्जन केंद्र पर खरीदी की शुरुआत के साथ ही किसानों में खुशी और संतोष देखा गया। पहले ही दिन इन दोनों केंद्रों पर 15 किसानों से 570 क्विंटल गेहूं की खरीदी की गई।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री आकाश चंदेल ने बताया कि जिले के 240 उपार्जन केंद्रों पर गेहूं खरीदी के लिए अब तक 10,300 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किए जा चुके हैं। आज दो केंद्रों पर खरीदी प्रारंभ हुई है, जबकि शेष 238 उपार्जन केंद्रों पर भी 10 अप्रैल से व्यापक स्तर पर खरीदी शुरू हो जाएगी।

खरीदी के शुभारंभ अवसर पर प्रशासन द्वारा विशेष रूप से किसानों का फूल-माला पहनाकर एवं साफा बांधकर सम्मान किया गया। इस दौरान तौल कांटे का विधिवत पूजन भी किया गया, जिससे वातावरण उत्सवमय बन गया। यह पहल न केवल किसानों के सम्मान का प्रतीक बनी, बल्कि सरकार की किसान हितैषी सोच को भी दर्शाती है।

ग्राम मुंगावली से अपनी उपज लेकर पहुंचे किसान श्री ओमप्रकाश गुजराती ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर गेहूं खरीदी प्रारंभ होने से किसानों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि समय से खरीदी शुरू होने से न केवल उनकी उपज का शीघ्र विक्रय हो रहा है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी मजबूती मिल रही है। उन्होंने शासन एवं जिला प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सुव्यवस्थित और समयबद्ध खरीदी से किसानों का भरोसा और अधिक मजबूत हुआ है। समय से खरीदी प्रारंभ करने के इस निर्णय और पुख्ता व्यवस्थाओं से स्पष्ट है कि जिला प्रशासन एवं शासन किसानों के हितों के प्रति पूर्णतः संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। जिला प्रशासन द्वारा सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत सीहोर नगर पालिका द्वारा किया गया वेबसाइट का शुभारंभ

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर नगर पालिका द्वारा दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित सिटी लाइवलीहुड सेंटर सीहोर के लिए वेबसाइट का शुभारंभ किया गया। इस सेंटर को इमैजिन ग्रुप संस्था द्वारा संचालित किया जा रहा है।

इस वेबसाइट के माध्यम से नागरिकों को अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं रोजगार अवसरों की समस्त जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। साथ ही आज से ही 3 दिवसीय टेलीकॉलर प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं एवं रोजगार की तलाश कर रहे हितग्राहियों के लिए तैयार किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्रभावी संचार कौशल, ग्राहक सेवा, कॉल हैंडलिंग तकनीक एवं डिजिटल माध्यमों के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, साथ ही उन्हें टेलीकॉलर के रूप में स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। चयनित प्रतिभागियों को कुछ मामलों में घर से कार्य करने का अवसर भी प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपनी सुविधा अनुसार कार्य कर सकें। वेबसाइट के शुभारंभ अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर ने ने कहा कि सीएलसी द्वारा शुरू की गई यह वेबसाइट न केवल योजनाओं की जानकारी को सरल और सुलभ बनाएगी, बल्कि पारदर्शिता और पहुंच को भी बढ़ाएगी।

इस अवसर पर नगर पालिका सीएमओ श्री सुधीर सिंह ने कहा कि यह पहल डिजिटल सशक्तिकरण एवं रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वेबसाइट के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचेगी और उन्हें लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। सीएलसी संचालक श्री अमोल पोहेकर ने बताया कि टेलीकॉलर प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को कम समय में उपयोगी कौशल प्रदान कर उन्हें आय के अवसरों से जोड़ना है।

गेहूं खरीदी शीघ्र प्रारंभ कर 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदना चाहिए- कांग्रेस

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर कांग्रेस कमेटी व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर विधायक कार्यालय से रैली के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंच कर एसडीएम प्रियंका मिमरोट को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की है की धार सहित प्रदेश के किसान वर्तमान में अपनी उपज (गेहू) को लेकर अत्यंत चिंतित एवं परेशान हैं। गेहू खरीदी मे हो रही देरी के कारण किसानो को आर्थिक नुकसान उठाना पड रहा हैं तथा उन्हें अपनी फसल औने-पौने दामों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड रहा हैं। साथ ही प्रदेश में गेहू खरीदी की प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से शीघ्र प्रारंभ किया जाना चाहिए।व किसानो के गेहू का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2700 रूपये प्रति क्विंटल सुनिश्चित किया जाना चाहिए साथ ही खरीदी की लिमिट खत्म की जाना चाहिए।एवं जिला सहकारी बैंक में ऋण वितरण केंन्द्र पर किसानो को बैठने व पानी की व्यवस्था की जाये।साथ ही तोल केन्द्र पर बारदान की पर्याप्त व्यवस्था की जाएं व साइलो केन्द्र जल्द खोले जाये व डिफाल्टर किसानो की सोसायटी में रेग्युलर किया जाएं व पराली जलाने पर जिन किसानो को नोटिस दिए गए हैं, वह वापिस लिये जाएं साथ ही सभी अनाज मंडियो मे पारदर्शी एवं सुचारू व्यवस्था की जाए, ताकि किसानो को किसी प्रकार की असुविधा न हों।साथ ही किसानों ने राज्यपाल से आग्रह किया है की किसान हमारे देश की रीढ़ है। उक्त मांगों को संज्ञान लेकर शीघ्र किसानों को राहत देना चाहिएं।

इस मौके पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती ,जिला संगठन महासचिव परितोष सिंह राठौड़, पूर्व नपा अध्यक्ष अभिषेक टल्ला मोदी ,विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता, जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष जितेंद्र जोशी, धनपाल सिंह छायन, अशोक भुरीया, बाबूलाल मेहरा, निलेश शर्मा, धर्मराज पटेल, कृष्ण पाल सिंह, हिम्मत सिंह कठोडिया, पंकज काबरा, संदीप चंद्रावत,संदीप चौधरी, प्रकाश निनामा, देवेंद्र सिंह पवार, विनोद शर्मा, घनश्याम जाट, परमानंद गुर्जर, उमेश पाटीदार, संदीप महेश्वरी, महेश मुकाती, निर्मल वर्मा मुख्तियार अली, देव हरण, पप्पू गांधी, कंवरलाल पाटीदार, शंभू सरपंच, दुर्लभ धाकड़, आसाराम मालवीय, निर्भय सिंह मालवीय, रमेश धबई, बरगद मामा, कृष्णा चौधरी, रमन पटेल, कालू भूरिया, अल्लाह नूर, सहित कई कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे। ज्ञापन का वचन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष निरंजन सिंह पवार ने किया आभार सुरेश पटेल ने माना।

आरक्षक (बैण्ड) भर्ती 2026 का जनजागरूकता अभियान – पुलिस बैण्ड दल की प्रस्तुति से किया गया आकर्षक प्रचार-प्रसार

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक (बैण्ड) भर्ती वर्ष-2026 के अंतर्गत युवाओं को आकर्षित करने एवं अधिकाधिक पात्र अभ्यर्थियों तक जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार प्रदेशभर में विशेष प्रचार-प्रसार अभियान संचालित किया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत आरक्षक (बैण्ड) के कुल 679 पदों पर सीधी भर्ती हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से दिनांक 05 अप्रैल 2026 से 19 अप्रैल 2026 तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

रतलाम में बैण्ड दल की प्रस्तुति के माध्यम से प्रचार-प्रसार- पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के पालन में रतलाम शहर के प्रमुख स्थल महाराजा सज्जन सिंह चौराहा पर प्रथम वाहिनी विशेष सशस्त्र बल इंदौर के पुलिस बैण्ड दल द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी गई।

बैण्ड दल की मधुर एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनों ने आमजन का ध्यान आकर्षित किया, जिससे उपस्थित नागरिकों एवं युवाओं को भर्ती प्रक्रिया की जानकारी दी गई एवं उन्हें आवेदन करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक रतलाम श्री मोहन भर्गवत, निरीक्षक श्री संतोष चौरसिया, उप निरीक्षक श्री कुलदीप देतलिया सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पत्रकार बंधुओं एवं बड़ी संख्या में आमजन

इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को पुलिस सेवा से जोड़ना, उन्हें रोजगार के अवसरों की जानकारी देना तथा पुलिस बैण्ड के माध्यम से प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रोत्साहित करना है।

तहसीलदार रुपाली जैन ने रास्ते के विवाद का किया निराकरण, शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले दो युवक को किया पुलिस के हवाले

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। तहसील के गांव अजड़ावदा में जमीन रास्ते के विवाद में तहसीलदार रुपाली जैन राजस्व निरीक्षकों व पटवारी द्वारा मौके पर पहुंचकर रास्ते का किया गया निराकरण ।मामला इस प्रकार था गांव से तलाई खेत पर जाने का रास्ता वर्षों पुराना है यह रास्ता किसानों को खेत पर जाने के लिए सुचारू रूप से चल रहा है लेकिन चार-पांच साल पहले मादु लाल चौधरी पिता भेरूलाल चौधरी ने जमीन ली , माधुलाल चौधरी का लड़का मोहनलाल चौधरी ने किसानों का रास्ता हर बार ट्रैक्टर से हांकाई जोताई के दौरान रास्ते को छोटा कर दिया गया था , रास्ते पर निकलने वाले किसानों ने समझाया कि रास्ता छोटा मत करो वहां निकलने में बहुत दिक्कत आ रही है नहीं मानने पर। तब सभी किसानों ने मिलकर तहसील कार्यालय में आवेदन देकर रास्ते की विवाद हल कर चौड़ीकरण की मांग की गई। किसान की समस्याओं को तुरंत संज्ञान में लिया और तहसीलदार रुपाली जैन व राजस्व अमला मंगलवार को मौके पर पहुंचकर। मोहन चौधरी और रतन चौधरी दोनों भाइयों को तहसीलदार रुपाली जैन द्वारा समझाया गया। रास्ते का निराकरण किया ओर 15 फीट निकलने का खेत रास्ता चोडा करवाए गया। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान तहसीलदार, पटवारी को मोहन चौधरी द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग, अपशब्द कहा गया। इसमें मामला बड़ने पर तब तत्काल तहसीलदार रूपाली जेन ने भाटपचलाना पुलिस को सूचना दी गई 112 डायल किया, मोहन चौधरी और रतन चोधरी दोनों पर पुलिस कार्रवाई करने पहुंची। पर मौके से मोहन चौधरी फरार हो गया रतन चौधरी को गिरफ्तार किया। तहसीलदार रुपाली जैन ने बताया कि भविष्य में अगर यह दोनों भाई किसानों के आने-जाने के रास्ते को अगर छेड़खानी करते हैं व शासकीय कार्य में बाधा डालते है तो इनके ऊपर कड़ी से कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी इस मौके पर गांव के कई नागरिक उपस्थित थे।

राजेन्द्र माथुर की पत्रकारिता पूज्यनीय एवं वंदनीय है -एसडीएम प्रियंका मीमरोट

राजेन्द्र माथुर पत्रकारिता के महानायक थे -पं. छोटू शास्त्री

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मूर्धन्य पत्रकार माथुर जी ने अपने कर्मों, साहस,मेहनत व लेखनी से बदनावर जैसे शहर को राष्ट्रीय स्तर तक पहचान दिलाई, यह हमारे लिए प्रेरक भी है और बदनावर की उपलब्धि भी है। छोटे से शहर से दिल्ली जैसे शहर तक अपनी लेखनी से नाम स्थापित करना बहुत ही मेहनत व निष्पक्ष पत्रकारिता के मापदंडों के उच्च स्तर को छुआ होगा। हिंदी पत्रकारिता के आदर्श पुरुष के पदचिन्ह पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राजेंद्र माथुर की पत्रकारिता पूज्यनीय एवं वंदनीय है।

उक्त विचार हिंदी पत्रकारिता के शिखर पुरुष एवं ख्यातनाम संपादक स्वर्गीय राजेंद्र माथुर की 35वीं पुण्यतिथि पर तहसील पत्रकार संघ बदनावर द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि आयोजन में बदनावर एसडीएम प्रियंका मीमरोट ने व्यक्त किये। धार जिला पत्रकार संघ अध्यक्ष पंडित छोटू शास्त्री ने कहा कि स्वर्गीय माथुर को हमसे विदा हुए लंबा समय बीत चुका है लेकिन उनकी ज्वलंतशील व जनहितैषी पत्रकारिता के लिए वह आज भी जीवित है। वह सिर्फ पत्रकार नहीं थे बल्कि समाज सुधारक भी थे। जिस तरह अमिताभ बच्चन फिल्मों के महानायक रहे वैसे ही राजेंद्र माथुर पत्रकारिता के महानायक रहे हैं। बदनावर की मिट्टी को उन्होंने पूरे विश्व में फैलाया था। उनकी अच्छाइयों को देश के राजनीतिज्ञ जानते थे एवं सम्मान देते थे। यह हमारे लिए प्रेरणास्पद है सभी पत्रकार राग द्वेष रहित पत्रकारिता करें, माथुर जैसी कलम चले जो जनहितेषी हो। जिला भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता के दिग्गज संपादक की प्रतिमा युवा पीढ़ी को निष्पक्ष लेखनी की प्रेरणा देगी। माथुर जी ने पत्रकारिता के नए आयाम स्थापित किए हैं। वरिष्ठ पत्रकार चंद्रभान सिंह सोलंकी ने कहा कि माथुर साहब की कलम की धार तलवार की धार से तेज होती थी। वरिष्ठ नेता मोहन सिंह चौहान ने कहा कि राजेंद्र माथुर की लेखनी इतनी प्रभावशाली थी कि प्रकाशन होते ही समस्या का समाधान होता था।

पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अभिषेक टल्ला मोदी, नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता पत्रकार महेश पाटीदार आदि ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री राजेश अग्रवाल, आर्यव्रत पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, नगर पंचायत उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पवार फूंदा बापू,स्वतंत्र प्रेस क्लब अध्यक्ष मनीष शर्मा, तहसील पत्रकार संघ संरक्षक पंकज गुजराती, दिलीप दरडा, कड़ोद कला प्रेस क्लब अध्यक्ष राहुल बैरागी,उपाध्याक्ष आनंद अग्निहोत्री,सीताराम पटेल,विनय पाटीदार, राकेश सिंह चौहान,नारायण मकवाना,विक्की राजपुरोहित, आशीष भाटिया, नीलेश शर्मा,जमील कुरैशी,दीपक, कृष्णा मारु,दिलीप नागौरिया,अतुल बाफना पार्षद प्रतिनिधि संतोष राव आदि पत्रकार एवं भाजपा कांग्रेस के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन तहसील पत्रकार संघ के महासचिव अनवर मंसूरी ने किया एवं आभार अध्यक्ष गोवर्धन सिंह डोडिया ने माना

किसानों के बिना कांग्रेस का धरना फीका, अजय रघुवंशी की कमी ने बढ़ाई चर्चा

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों के समर्थन में आयोजित कांग्रेस का धरना उस वक्त सवालों के घेरे में आ गया, जब कार्यक्रम में किसानों की मौजूदगी लगभग न के बराबर रही। जिस मुद्दे को लेकर धरना किया गया, उसी वर्ग की अनुपस्थिति ने आयोजन की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। धरना स्थल पर मौजूद नेता भाषण देकर लौटते नजर आए, जिससे यह आयोजन कई लोगों को औपचारिकता मात्र लगा। हालांकि कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह कार्यक्रम एक प्रारंभिक चरण था, जिसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और आगामी बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार करना है। सबसे ज्यादा चर्चा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय रघुवंशी की गैरमौजूदगी को लेकर रही। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उनकी अनुपस्थिति पूर्व निर्धारित बैठकों और रणनीतिक कारणों के चलते रही। संगठन का दावा है कि अजय रघुवंशी लगातार जमीनी स्तर पर किसानों के मुद्दों को उठाते रहे हैं और आने वाले समय में उनके नेतृत्व में बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। धरने के दौरान कुछ अव्यवस्थाओं और अनुशासनहीनता की खबरें भी सामने आईं, जिन्हें कांग्रेस ने स्थानीय स्तर की चूक बताते हुए सुधार का भरोसा दिया है। अब सवाल यही है—क्या कांग्रेस आगामी दिनों में वास्तव में किसानों को जोड़कर बड़ा आंदोलन खड़ा कर पाएगी, या यह प्रदर्शन सिर्फ शुरुआती कोशिश बनकर रह जाएगा।

बदनावर में जय सूर्या का प्रचंड शक्ति-विस्फोट

300 कारों के काफिले ने थामी रफ्तार, विरोधियों के खेमे में मची खलबली

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष जय सूर्या के प्रथम गृह नगर आगमन ने सोमवार को क्षेत्र की राजनीति में वह तूफान खड़ा कर दिया, जिसकी गूँज भोपाल तक सुनाई देगी। पद मिलने के साथ ही जहाँ एक ओर पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने इस नियुक्ति पर खुलकर अपना विरोध जताया और उनके समर्थकों ने सोशल मीडिया पर मोर्चा खोला, वहीं दूसरी ओर सूर्या समर्थकों ने ऐतिहासिक स्वागत के जरिए इसका करारा जवाब दिया। 300 से अधिक कारों के अंतहीन काफिले और 3000 से अधिक कार्यकर्ताओं के जोश ने यह साफ कर दिया कि सूर्या अब क्षेत्र में एक बड़ी राजनीतिक ताकत बन चुके हैं।

जय सूर्या का काफिला जब लेबड़ से शुरू हुआ, तो देखते ही देखते सड़कों पर गाड़ियों का रेला लग गया। सादलपुर, खेरोद, नागदा, कानवन, बोराली, घटगारा और पिटगारा में पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओ ने बड़े जोश से सूर्या का स्वागत कर अपना समर्थन दिया। बदनावर में श्री बैजनाथ महादेव के दर्शन कर सूर्या ने अपनी आध्यात्मिक और राजनीतिक यात्रा का संकल्प लिया। इसके बाद वे अपनी लग्जरी गाड़ी छोड़कर समर्थकों के साथ पैदल नगर भ्रमण पर निकले।

बड़ी चौपाटी से लेकर आंबेडकर चौराहे तक नगर को सैकड़ों फ्लेक्स बनेर व भव्य स्वागत द्वार से दुल्हन की तरह सजाया गया था। नगर के अलग-अलग संगठनों ने 40 से अधिक भव्य मंचों से जय सूर्या का पुष्पवर्षा एवं फल से तोल कर स्वागत किया । आंबेडकर चौराहे पर पहुँचकर सूर्या ने भारत माता की आरती उतारी और वंदे मातरम के सामूहिक गान के साथ अपनी विचारधारा और राष्ट्रवाद का परिचय दिया। सूर्या के प्रदेश भर से आए हजारो कार्यकर्ताओं के लिए मित्र मण्डली ने सल्फाहार एवं भोजन ने इस आयोजन को उत्सव का रूप दे दिया। जय सूर्या की इस शक्ति प्रदर्शन के साथ ही भाजपा की आंतरिक जंग भी सरेआम दिखी। पूरे आयोजन से नगर मंडल बदनावर एवं दत्तीगांव समर्थको ने स्पष्ट दूरी बनाए रखी। फ्लेक्स पर जय सूर्या के साथ केवल मनोज सोमानी, राजेश अग्रवाल, शेखर यादव का फोटो प्रमुखता से चमक रहा था, जबकि एक गुट के दिग्गज नेता न तो बैनरों में दिखे और न ही स्वागत मंचों पर। मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर और सांसद वी.डी. शर्मा, विक्रम वर्मा के आदमकद कटआउट्स ने यह जता दिया कि सूर्या को शीर्ष नेतृत्व का पूरा अभयदान प्राप्त है।

राजनीतिक जानकारों की मानें तो यह महज स्वागत रैली नहीं, बल्कि विरोधियों को दी गई एक खुली चुनौती थी। दत्तीगांव खेमे की सोशल मीडिया पर सक्रियता और नगर मंडल की गैर-मौजूदगी इशारा कर रही है कि बदनावर भाजपा में अब दो फाड़ की स्थिति बन चुकी है। सूर्या के इस तेवर ने आने वाले चुनावों के लिए नई बिसात बिछा दी है।

विद्योतमा साहित्य फाउंडेशन का शपथ विधि एवं काव्य समारोह

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्तर की साहित्यिक संस्था विद्योतमा साहित्य फाउंडेशन की इंदौर इकाई के मुख्य संरक्षक डॉक्टर अखिलेश राव और इंदौर इकाई के अध्यक्ष साहित्यकार दिनेश तिवारी उपवन ने बताया कि आगामी 11 अप्रैल को दोपहर 2-30 बजे हिंदी साहित्य सभागृह के पुस्तकालय कक्ष में विद्योतमा साहित्य फाउंडेशन इंदौर इकाई के समस्त पदाधिकारियों का शपथ विधि समारोह के साथ साहित्य फाउंडेशन से जुड़े लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकारों का काव्य पाठ भी होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमचंद सृजन पीठ उज्जैन के निदेशक मुकेश जोशी होंगे और कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुबोध मिश्र नासिक (महाराष्ट्र) करेंगे। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार हरे राम बाजपेई, प्रेस क्लब इंदौर के कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी, मातृभाषा उन्नयन संस्थान के डॉक्टर अर्पण जैन अविचल और प्रसिद्ध अधिवक्ता और चिंतक श्री प्रवीण चौधरी रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन कवयित्री स्वाति सिंह सोलंकी करेंगी।

डॉ सुशील कुमार गेहलोत का सम्मान किया

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाजापुर शाखा द्वारा जन्मदिवस समारोह एवं नवनियुक्त प्रांतीय सचिव कर्मचारी नेता श्री कैलाश नारायण सूर्यवंशी को मनोनीत करने पर स्वागत कार्यक्रम रखा गया। जिसमें ब्लाक अकोदिया शाखा से अध्यक्ष श्री केदार सिंह राजपूत, वरिष्ठ पेंशनर श्री बंशीधर पांडे, संगठन मंत्री डॉ सुशील कुमार गेहलोत, गजराज सिंह जायसवाल ने कार्यक्रम में हिस्सा लेकर शाल श्रीफल और प्रतीक चिन्ह देकर श्री सूर्यवंशी जी एवं मार्गदर्शक डॉ जगदीश जी भावसार का सम्मान किया। इस अवसर पर जिला शाजापुर शाखा द्वारा संगठन मंत्री डॉ सुशील कुमार गेहलोत का पुष्प माला पहनाकर शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। सभी ने शैक्षणिक, सामाजिक संस्थाओं तथा धार्मिक कार्य में उनके द्वारा किए गए सहयोग की प्रशंसा की तथा हाल ही में आयोजित नारी सम्मान समारोह की मुक्तकंठ से सराहना की।

महाकौशल हाट बाजार में जैविक सब्जी बाजार की शुरुआत

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैविक खेती को प्रोत्साहन देने और ग्रामीण क्षेत्र की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित रसायन मुक्त फल-फूल और सब्जियों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य रेल सौरभ कॉलोनी कांचघर रोड स्थित महाकौशल संभागीय हाट बाजार में आज गुरुवार से साप्ताहिक जैविक सब्जी बाजार के आयोजन की शुरुआत की गई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत के निर्देश पर किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के सहयोग से ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित इस बाजार में बड़ी संख्या में पहुँचे जैविक उत्पादों के मुरीद नागरिकों ने ताजी, शुद्ध और रसायन मुक्त सब्जियों की खरीदारी की और इसके आयोजन की सराहना की। जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत ने भी सपरिवार पहुँचकर जैविक सब्जी बाजार से सब्जियों की खरीदारी की। इस अवसर पर श्री गहलोत ने स्वस्थ जीवन के लिए शुद्ध आहार को आवश्यक बताया। उन्होंने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में जैविक सब्जी बाजार पहुँचने की अपील करते हुये कहा कि जैविक उत्पादों का यह बाजार लोगों को न केवल प्रकृति के करीब होने का अनुभव करायेगा, बल्कि यहाँ उपलब्ध रसायन मुक्त सब्जियाँ उनसे बीमारियों को दूर रखने में भी मददगार होंगी। श्री गहलोत ने आशा व्यक्त करते हुये कहा कि जैविक बाजार में नागरिकों की भागीदारी ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक स्वावलंबन प्रदान करने में बड़ा योगदान होगी। महाकौशल संभागीय हाट बाजार में साप्ताहिक जैविक सब्जी बाजार की शुरुआत पर उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम भी मौजूद थे। मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन की जिला प्रबंधक अंजुला झा ने बताया कि महाकौशल हाट बाजार में प्रत्येक गुरुवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक जैविक सब्जियां उपलब्ध रहेंगी।

डॉ. अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किये जायेंगे हितग्राही सम्मेलन

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के निर्देशानुसार भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों में 10 से 14 अप्रैल तक हितग्राही सम्मेलन आयोजित किये जायेंगे। हितग्राही सम्मेलनों के आयोजन की तैयारियों को लेकर जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत ने आज गुरूवार को वीसी के माध्यम से जिले में पदस्थ सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। श्री गहलोत ने बैठक में अधिकारियों को राज्य शासन के निर्देशानुसार हितग्राही सम्मेलनों का आयोजन करने तथा इनमें जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। हितग्राही सम्मेलनों में डॉ. अम्बेडकर के जीवन विचारों और देश एवं लोकतंत्र के लिए उनके योगदान तथा संविधान निर्माण में उनकी महती भूमिका पर प्रकाश डाला जायेगा, शासन की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को आमंत्रित किया जायेगा तथा योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। वीसी में बताया गया कि संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में पनागर एवं जबलपुर विकासखंड मुख्यालयों पर 10 अप्रैल को, पाटन, मझौली, सिहोरा एवं शहपुरा विकासखंड मुख्यालयों पर 13 अप्रैल को तथा कुंडम विकासखंड मुख्यालय में 14 अप्रैल को हितग्राही सम्मेलन आयोजित किये जायेंगे। जिला स्तरीय यह हितग्राही सम्मेलन डॉ. अम्बेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को जिला मुख्यालय जबलपुर में भंवरताल उद्यन के समीप स्थित संस्कृति थियेटर में आयोजित किया जायेगा।

नगर परिषद के कर्मचारी ने की हड़ताल शुरू

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट नगर परिषद में मध्य प्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी मोर्चा के बैनर तले आलोट के समस्त सफाई कर्मचारी व अन्य कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आज दिनांक 9 अप्रैल से काम बंद कर हड़ताल पर चले गए हे ।

कर्मचारी द्वारा हड़ताल पर बैठने से आलोट नगर की सफाई व्यवस्था बिगड़ने लगी है। प्रतिदिन नगर को स्वच्छ रखने वाले स्वच्छता पहरी कर्मचारियों के हड़ताल पर बैठने से आलोट नगर में गंदगी का अंबार लगने लगा हे , कर्मचारी संगठन के नेता कमलेश उमरवाल,अनिल डुलगज,मुकेश डुलगज,से जानकारी लेने पर पता चला हे कि अभी तक नपा.अधिकारी व जनप्रतिनिधि द्वारा संतुष्ट प्रद जवाब नहीं दिया गया हे। मांगों को लेकर बैठे कर्मचारियों का कहना हे कि अब आश्वासन से काम नहीं चलेगा..मांगे पूर्ण होने पर ही हड़ताल खत्म की जाएगी।

हड़ताल में दिलीप खरे,गोपाल चौहान,ताराचंद डुलगज,राकेश उमरवाल पिंटू खरे,शरद खरे,सुनील उमरवाल व समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

युवाओं हेतु सुरक्षा जवान एवं ड्रोन पायलट भर्ती शिविर का आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत झाबुआ के सहयोग से जीडीएक्स ग्रुप, ग्रेटर नोएडा द्वारा भारत सरकार के पसारा एक्ट 2005 के अंतर्गत जिले के युवाओं के लिए सुरक्षा जवान, ड्रोन पायलट एवं सुरक्षा सुपरवाइजर के पदों पर भर्ती हेतु जनपद पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

इस भर्ती अभियान के अंतर्गत कुल 150 सुरक्षा जवान, 20 ड्रोन पायलट एवं 30 सुरक्षा सुपरवाइजर पदों पर चयन किया जाएगा। शिविर का आयोजन 15 अप्रैल 2026 को जनपद पंचायत रामा, 16 अप्रैल 2026 को जनपद पंचायत थांदला, 17 अप्रैल 2026 को जनपद पंचायत पेटलावद, 21 अप्रैल 2026 को जनपद पंचायत मेघनगर, 22 अप्रैल 2026 को जनपद पंचायत राणापुर, 23 अप्रैल 2026 को पुरानी जनपद पंचायत (बस स्टैंड) झाबुआ में किया जाएगा। सभी शिविर प्रातः 10ः30 बजे से दोपहर 3ः00 बजे तक आयोजित होंगे।

योग्यता एवं पात्रता- सुरक्षा जवान एवं ड्रोन पायलट हेतु अभ्यर्थी का 10वीं पास होना अनिवार्य है। आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित है। अभ्यर्थी की न्यूनतम ऊँचाई 168 सेमी एवं वजन 52 से 96 किलोग्राम होना चाहिए। सुरक्षा सुपरवाइजर पद हेतु स्नातक के साथ कंप्यूटर ज्ञान अनिवार्य है। आयु सीमा 22 से 40 वर्ष, न्यूनतम ऊँचाई 170 सेमी एवं वजन 55 से 96 किलोग्राम निर्धारित किया गया है।

आवेदन प्रक्रिया- इच्छुक अभ्यर्थी अपने 10वीं अथवा उच्चतम शैक्षणिक प्रमाणपत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो के साथ संबंधित जनपद पंचायत सभागार में उपस्थित होकर ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। अन्य जिलों के अभ्यर्थी भी निर्धारित तिथियों में शिविर स्थल पर उपस्थित होकर आवेदन कर सकते हैं।

प्रशिक्षण एवं सुविधाएं- चयनित अभ्यर्थियों को जीडीएक्स ग्रुप के ट्रेनिंग सेंटर, एन.आई.एम.टी. कैंपस (परीचौक मेट्रो स्टेशन के समीप, ग्रेटर नोएडा) में 15 दिवस का आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण पत्र के साथ मध्यप्रदेश एवं गुजरात के औद्योगिक क्षेत्रों में नियुक्ति दी जाएगी।

अभ्यर्थियों को 18,000 से 22,000 तक मासिक वेतन, पीएफ, पेंशन, जीवन बीमा, पारिवारिक चिकित्सा सुविधा, वार्षिक वेतन वृद्धि, ऋण सुविधा एवं पदोन्नति के अवसर प्रदान किए जाएंगे। ड्यूटी के दौरान आवास एवं भोजन की सुविधा रियायती दरों पर उपलब्ध होगी।

संपर्क हेतु- अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी श्री राजेन्द्र सरगरा से मोबाइल नंबर 9289153551 एवं 9799414022 पर संपर्क किया जा सकता है।

कलेक्टर ने किया जिला कोषालय स्ट्रांग रूम का वार्षिक निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में किए जाने वाले नियमित निरीक्षण के अंतर्गत कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जिला कोषालय के स्ट्रांग रूम का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कोषालय में सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण एवं मूल्यवान सामग्रियों के सुरक्षित भंडारण की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया गया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान नोटरियल सामग्री, विभिन्न मूल्यवर्ग के ज्यूडिशियल स्टाम्प, नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प सहित अन्य मूल्यवान वस्तुओं का परीक्षण किया। साथ ही कोषालय की अभिलेख व्यवस्था एवं अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कोषालय में सुरक्षा मानकों के पालन एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता एवं सुरक्षा बनी रहे। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले, जिला कोषालय अधिकारी सुश्री वैशाली सिसोदिया एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीजीडी समितियो की कार्यवाही हेतु नोडल अधिकारी एवं समिति का हुआ गठन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में शहरी गैस वितरण के बुनियादी ढांचे के विकास के लिये अनुमतियों में तेजी लाने, शुल्को में छूट के लिये अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपायों के संबंध में सीजीडी कम्पनियों द्वारा पीएनजी के लिये पाइप नेटवर्क बिछाने, पीएनजी के नेटवर्क का विस्तार करने, पीएनजी के कनेक्शन हेतु उपभोक्ताओं को आकर्षित, पीएनजी के लाभ से अवगत कराने के लिये शिविर आयोजित करने हेतु अपर कलेक्टर श्री सोहन कनाश को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। नियुक्त नोडल अधिकारी पीएनजी कार्यो एवं संबंधित स्टेक होल्डर द्वारा सीजीडी अंतर्गत पीएनजी में गैस कनेक्शन प्रदाय हेतु समय - समय पर समीक्षा कर ज्यादा से ज्यादा पीएनजी कनेक्शन हितग्राहियो को कराये जाये । इस हेतु कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। जिसमें पुलिस अधीक्षक , जिला वन अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, महाप्रबंधक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण एवं जल संसाधन विभाग, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, जिला अधिकारी नगर एवं ग्राम निवेश, जिला परिवहन अधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदुर्षण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय प्रबंधक म.प्र. सड़क विकास निगम, प्राधिकृत सीजीडी संस्था के प्रतिनिधि को सदस्य के रूप में मनोनित किया गया है। वहीं जिला आपूर्ति अधिकारी को सदस्य सचिव मनोनित किया गया है। जिला स्तरीय समिति सीजीडी अंतर्गत प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक अनुमति तथा सीजीडी नेटवर्क विस्तार के कार्यान्वयन की सतत निगरानी एवं नियमित समीक्षा कर अंर्तविभागीय कठिनाईयो का समाधान करेंगी ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक संपन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले मं आगामी जनगणना कार्यो की तैयारियों, प्रशिक्षण व्यवस्था एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक के दौरान बताया गया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार जिले में 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग सेंसस) का कार्य संचालित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु 15 अप्रैल 2026 से 25 अप्रैल 2026 तक जिले के समस्त चार्ज स्तरों पर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को फील्ड ट्रेनर्स द्वारा चरणबद्ध प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों को सर्वेक्षण की प्रक्रिया, डेटा संकलन की विधि, ऐप एवं पोर्टल के सही उपयोग एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी जाएगी, जिससे कार्य को त्रुटिरहित एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जा सके।जिले में इस कार्य के लिए कुल 41 फील्ड ट्रेनर्स नियुक्त किए गए हैं, जो विभिन्न चार्ज क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

कलेक्टर नेहा मीना ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यकता होने पर प्रशिक्षण अवधि में वृद्धि कर सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को कार्य की पूर्ण समझ विकसित कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी और सभी संबंधित अधिकारी पूरी जिम्मेदारी एवं समन्वय के साथ कार्य करें।

कलेक्टर ने एचएलबी (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) की प्रगति की समीक्षा करते हुए संतोष व्यक्त किया कि जिले में यह कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी चरणों में भी इसी प्रकार की दक्षता एवं समन्वय बनाए रखें।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मण्डलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री भास्कर गाचले, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बस्ती विकास योजना अंतर्गत ट्रांसफॉर्मर स्थापना कार्यों का निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार बस्ती विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्थापित किए जा रहे ट्रांसफॉर्मरों के कार्यों का भौतिक सत्यापन एवं निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री अक्षय सिंह मरकाम द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत झाबुआ एवं रामा अंतर्गत ग्राम ढेबर (ग्राम पंचायत ढेबरबड़ी), ग्राम कागलखो (ग्राम पंचायत धामंदा), ग्राम फतेहपुरा (ग्राम पंचायत सदावा) तथा ग्राम आमलीफलिया (ग्राम पंचायत आमलीफलिया) का भ्रमण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। इसी प्रकार जनपद पंचायत मेघनगर एवं राणापुर अंतर्गत तड़वी फलिया (ग्राम पंचायत बड़ी घोसलिया), ग्राम मंडली (ग्राम पंचायत मांडली), बागवा नदी फलिया (ग्राम पंचायत उभेराओ) तथा भाभोर फलिया (ग्राम पंचायत खड़कुई) में भी ट्रांसफॉर्मर स्थापना कार्यों का निरीक्षण किया गया।

एसएन कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, श्री नीलकंठेश्वर शासकीय महाविद्यालय में गुरुवार को विद्यार्थियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह ने की। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने विद्यार्थियों को देहदान एवं अंगदान की शपथ दिलवाई। डॉ. जुगतावत ने कहा की यह देहदान मेडिकल विद्यार्थियों के अध्ययन में सहयोग प्रदान करती है। अंगदान से हम किसी व्यक्ति के जीवन को बचा सकते हैं। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय से मनोचिकित्सक डॉ. संजय इंगले ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति पर जानकारी देते हुए उन्हें टैली मानस नंबर पर संपर्क कर अपनी किसी भी तरह की समस्या के लिए संपर्क करने हेतु प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों को नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलाई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह ने विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी एवं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन श्री अमित अब्राहम ने किया तथा आभार डॉ एस.एस. डाबर ने माना।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने झाबुआ जनपद में योजनाओं की व्यापक समीक्षा बैठक ली

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिला पंचायत झाबुआ के नवीन जिला पंचायत सभा कक्ष में जनपद पंचायत झाबुआ की समीक्षा बैठक मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ श्री जितेन्द्रसिंह चौहान द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अन्तर्गत संचालित समस्त योजनाओं की समीक्षा की गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ द्वारा ग्राम पंचायतों में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत स्वीकृत आवासों की प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय किश्त समयावधि में जारी कर आवासों को पूर्ण कर पूर्णता प्रमाण पत्र इसी माह में जारी करने के निर्देशित किया गया, साथ ही जल गगा सवर्धन अंतर्गत डगवेल रिचार्जपीट के अपूर्ण कार्यो को 10 दिवस में एंव खेत तालाब के अपूर्ण समस्त कार्यो को 30 अप्रैल 2026 तक पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है।

उपसंचालक कृषि झाबुआ के प्रतिनिधी द्वारा अवगत कराया गया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जाने का निर्णय लिया गया है। इस अनुक्रम में ग्राम पंचायत स्तर से इस हेतु एक हेल्पडेस्क बनाये जाकर किसानों की सहायता करने हेतु निर्देशित किया गया एवं समस्त किसानों की दू-च्छुष्ट करवाई जाकर फार्मर आई.डी. बनाये जाने के कार्य में सचिवों द्वारा कृषि विभाग को सहयोग कर समय सीमा में कार्य पूर्ण करवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

जल संचय जन भागीदारी अंतर्गत पूर्ण कार्यो के पोर्टल पर अपलोड हेतु शेष फोटोग्राफ्स 10 दिवस में जल संचय पोर्टल पर अपलोड किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। मनरेगा अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा की जाकर निर्देशित किया गया कि जो कार्य पूर्ण हो गये है उनके पूर्णता प्रमाण पत्र तत्काल जारी करे एवं अपूर्ण कार्यों को भी तत्काल पूर्ण किये जाए।

ग्राम पंचायतों में स्वीकृत आंगनवाड़ी भवन जो कि महिला बाल विकास विभाग द्वारा स्वीकृत किये गये है की कार्य वार समीक्षा की जाकर जिनमें प्रथम किश्त प्राप्त हो चुकी है। उन कार्यो को शीघ्र प्रारंभ कर द्वितीय किश्त के प्रस्ताव प्रेषित किये जाए एवं जिनमें द्वितीय/तृतीय किश्त प्राप्त हो चुकी है उनको पूर्ण कर पूर्णता प्रमाण पत्र जारी किये जाने के निर्देश दिये।

प्रधानमंत्री आदि आदर्श योजना अन्तर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यो की ग्राम पंचायत/कलस्टर वार समीक्षा की जाकर जिन भवनों के द्वितीय किश्त के प्रस्ताव अप्राप्त है। उन्हें एक सप्ताह में प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही जिन कार्यों की द्वितीय/अंतिम किश्त प्राप्त हो चुकी है उनके पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु निर्देशित जारी करने के निर्देश दिये गये।

संबल योजना के सत्यापन का कार्य 15 दिवस में पूर्ण करने हेतु निर्देश दिये गये, साथ ही मनरेगा दू-च्छुष्ट कार्य 30 अप्रैल तक शत प्रतिशत पूर्ण करने हेतु निर्देश दिये गए। 5 वां/15 वां वित्त मद अन्तर्गत ग्राम पंचायत स्तर जनपद स्तर/जिला पंचायत स्तर से स्वीकृत सभी कार्यों को एक माह में पूर्ण कर पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु निर्देशित किया गया। सामुदायिक भवन एवं पंचायत भवन के अपूर्ण कार्य माह अप्रैल 2026 तक पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

पीएचई विभाग को नलजल योजना अन्तर्गत संचालित समस्त निमार्ण कार्यो को विधिवत रूप से पूर्णता पश्चात ही ग्राम पंचायतों को हस्तांरित करने हेतु निर्देशित किया गया।

एक बगिया मां के नाम स्वीकृत सभी कार्य तत्तपरता से समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये जाकर सी.एम. हेल्पलाईन अन्तर्गत प्राप्त शिकायतों का तत्काल शत प्रतिशत निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया।

समीक्षा बैठक पश्चात मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ द्वारा जनपद पंचायत झाबुआ की ग्राम पंचायत डुमपाडा एवं फुलधावडी में जल गंगा संवर्धन 2025 के अपूर्ण खेत तालाब एवं डगवेल रिचार्जपीट के कार्यों का निरीक्षण किया गया जिसमें डगवेल रिचार्जपीट के अपूर्ण कार्यों को 10 दिवस में तथा खेत तालाब को 30 अप्रैल 2026 तक अनिवार्यतः गुणवत्तापूर्ण पूर्णता हेतु क्रियान्वयन एजेन्सी को निर्देशित किया गया है।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत झाबुआ, खण्ड पंचायत अधिकारी झाबुआ, परियोजना अधिकारी मनरेगा जिला झाबुआ सहायक यंत्री मनरेगा जनपद पंचायत झाबुआ एवं सहायक यंत्री मनरेगा, उपयंत्री समस्त जनपद पंचायत झाबुआ सहायक विकास विस्तार अधिकारी, पंचायत समन्वय अधिकारी, समस्त ग्राम पंचायत के सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय NCORD कमेटी की बैठक हुई

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के अध्यक्षता में आज गुरूवार को नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम एवं बेहतर समन्वय हेतु जिला स्तरीय NCORD कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी। वर्तमान में एविल इंजेक्शन का उपयोग नशे के रूप में किये जाने के सम्बन्ध में उनके द्वारा औषधि निरीक्षक को निर्देशित किया गया है कि वे इस दवा की जांच मेडिकल स्टोर्स में की जाए। इसके अलावा मेडिकल एसोसिएशन एवं रजिस्टर्ड डॉक्टर्स को यह पत्र भी लिखें कि उनके द्वारा एविल इंजेक्शन का उपयोग जिन मरीजों में किया जा रहा है उसका सम्पूर्ण विवरण रिकॉर्ड पंजी में संधारित रखें। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने इस बैठक में युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में ना आने पाए का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। विशेष कर उन्होंने जिले के सभी हाई स्कूल बाहर सेकेंडरी स्कूलों के आसपास नशीले पदार्थों का विक्रय ना होने पाए के संबंध में सख्त निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा है कि स्कूलों के आसपास पान-गुटखा इत्यादि की बिक्री तो नहीं हो रही है की जांच करें। पुलिस प्रशासन नशे के विरुद्ध सख्त है नशीले पदार्थ का क्रय विक्रय ना होने पाए इसके लिए कार्यवाही की जा रही है कोई भी व्यक्ति यदि नशीली पदार्थ के दबाव का विक्रय करते हुए पाया जाएगा उसके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा बैठक में उपस्थित एनजीओ के प्रतिनिधियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि नशा मुक्ति की रोकथाम हेतु आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी बैठक में प्रस्तुत करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी गण मौजूद रहे।

महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया से महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ ने की सौजन्य भेंट, खेल और युवाओं के विकास पर की सार्थक चर्चा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया से भोपाल स्थित निवास पर महिला क्रिकेट टीम की सदस्य रही प्रतिभाशाली खिलाड़ी बेटी क्रांति गौड़ ने आज सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान खेलों के विकास, विशेष रूप से महिला क्रिकेट को प्रोत्साहन देने, ग्रामीण प्रतिभाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया से भेंट के दौरान क्रांति गौड़ ने अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ संकल्प, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि सही मार्गदर्शन और सुविधाएं समय पर मिलें, तो हमारे प्रदेश और देश की बेटियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं।

इस अवसर पर उन्होंने महिला खिलाड़ियों को आने वाली चुनौतियों, प्रशिक्षण सुविधाओं की आवश्यकता तथा खेलों में कैरियर की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाशाली बालिकाओं के लिए बेहतर खेल अधोसंरचना, कोचिंग और आर्थिक सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंत्री सुश्री भूरिया से भेंट के दौरान क्रांति ने बताया कि सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक खिलाड़ियों तक पहुंचे, इसके लिए जन-जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। साथ ही, विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर खेल गतिविधियों को नियमित और व्यवस्थित रूप से आयोजित करने पर भी बल दिया जाना चाहिए।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहाँ कि महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियां न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय हैं और उनकी सफलता से अन्य बेटियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने क्रांति गौड़ की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और कहाँ कि वे आगे भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रदेश और देश का नाम रोशन करती रहेंगी तथा युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुआ जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में भी 09 से 23 अप्रैल तक चलने वाले पोषण पखवाड़ा के दौरान अति गंभीर कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाये। इस दौरान बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्र पर ही टीएचआर खिलाया जाये। साथ ही उनके माता-पिता से गृह भेंट कर बच्चों के उपचार, दिनचर्या तथा टीएचआर से बनने वाले आहार के संबंध में चर्चा कर समझाईश दी जाये। वही पखवाड़ा के समाप्ति पर अति गंभीर कुपोषित बच्चे का वजन लेकर उनकी शारीरिक प्रगति का आकलन भी किया जाये। कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह ने उक्त बाते गुरूवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के दौरान कही। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांकवार निर्धारित गतिविधियों को प्रतिदिन आंगनवाड़ी केन्द्रों पर की जाये। साथ ही स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 10 अप्रैल को गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाये। बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में दिये गये निर्देश ऽ प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत जिले में संतोषजनक प्रगति नही होने पर कलेक्टर ने सख्त लहजे में निर्देशित किया कि योजना का लाभ जिले की शत प्रतिशत पात्र महिलाओं को दिया जाये। ऽ पोषण ट्रेकर पर आधार सत्यापन, आभा आईडी बनाना एवं मोबाईल सत्यापन का कार्य आगामी बैठक में पूर्व पूर्ण कर लिया जाये। ऽ जिले में शत प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन हो, साथ ही हर गर्भवती महिला की होने वाली समस्त आवश्यक जांचे स्वास्थ्य केन्द्रो पर की जाये।

8वां पोषण पखवाड़ा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक संचालित विभिन्न विभागों के समन्वय से आयोजित होगी कैलेंडरवार गतिविधियां

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री आर एस बघेल के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में पोषण अभियान अन्तर्गत 8वां पोषण पखवाडा अन्तर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र गोपालपुरा हवाई पट्टी झाबुआ में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र के हितग्राहियों द्वारा वेबकास्ट के माध्यम से पोषण पखवाड़ा शुभारम्भ कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया।

संवाद कार्यक्रम अन्तर्गत श्री आर एस बघेल द्वारा समुदाय से चर्चा कर जीवन शैली में पोषण तत्व एवं स्वछता की महत्वता के बारे में बताते हुए स्थानीय अनाज, सब्जीयों व दालों को शामिल करने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होने बच्चों को दुकानों पर मिलने वाले पैकेट बंद स्नेक्स जैसे चीप्स, कुरकुरे, बिस्किट इत्यादि का सेवन नहीं करवाना चाहिए बल्कि घर के बने हुए पोष्टिक व्यंजन एवं आंगनवाड़ी से मिलने वाले पोषण आहार का सेवन करवाने की सलाह दी। उन्होने कहा कि पोषण पखवाडे के आयोजन का उद्देश्य परिवारों एवं समुदायों मंक उन व्यवहारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है जिससे परिवार एवं समुदाय बच्चों के स्वस्थ शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक हो।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

संतों ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ देखे सिंहस्थ के निर्माण कार्य

29 किमी लंबे घाटों का निर्माण जारी, 42% काम पूरा — कान्ह डक्ट प्रोजेक्ट से शिप्रा को मिलेगा प्रदूषण से राहत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्य अब जमीन पर असर दिखाने लगे हैं। गुरुवार को साधु-संतों ने शिप्रा तट पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए प्रशासन की तैयारियों को सराहा। खास बात यह रही कि घाट निर्माण की गति और गुणवत्ता ने संत समाज को खासा प्रभावित किया।

निरीक्षण की शुरुआत त्रिवेणी घाट से हुई, जहां वैष्णव अखाड़ों के संतों ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हालांकि इस दौरान शैव अखाड़ों के संतों की अनुपस्थिति चर्चा का विषय रही। निरीक्षण दल में डॉ. रामेश्वर दास, महावीरनाथ, सत्यानंद महाराज सहित कई संत शामिल रहे।प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सिंहस्थ में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इतनी बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए 29 किलोमीटर लंबे घाटों का निर्माण किया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के जरिए यह कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब तक 42 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए चौड़ी सीढ़ियां, रैंप और मजबूत रेलिंग बनाई जा रही है। विशेष रूप से दिव्यांग और बुजुर्ग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं तैयार की जा रही हैं, जिससे वे आसानी से स्नान कर सकें। पहले जहां घाटों पर केवल रस्सियों का सहारा होता था, वहीं अब आधुनिक सुरक्षा उपाय अपनाए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान संतों को कान्ह डक्ट प्रोजेक्ट की भी जानकारी दी गई। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत कान्ह नदी के प्रदूषित पानी को अंडरग्राउंड टनल के जरिए गंभीर नदी के डाउन स्ट्रीम में डायवर्ट किया जाएगा, जिससे शिप्रा का जल स्वच्छ बना रहेगा। संत समाज ने व्यवस्थाओं को लेकर खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

महावीरनाथ ने कहा कि घाटों का कार्य बेहद संतोषजनक है, उज्जैन इस बार नया इतिहास रच सकता है। वहीं डॉ. रामेश्वर दास ने निर्माण की गुणवत्ता और गति को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि ऐसा कार्य पहले कभी देखने को नहीं मिला।

सत्यानंद महाराज ने घाटों को विश्वस्तरीय बताते हुए प्रशासन को साधुवाद दिया।

हालांकि शंभू संन्यासी मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गिरी ने दौरे में शामिल नहीं होने पर कहा कि उन्हें सूचना नहीं मिली, लेकिन भविष्य में कार्यों का निरीक्षण करेंगे। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि सिंहस्थ से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों का लगातार निरीक्षण कराया जा रहा है और संतों के सुझावों को भी गंभीरता से लिया जा रहा है, क्योंकि आयोजन में संत समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

महिला ने फांसी नहीं लगाई थी, पति ने गला घोटकर मारा था

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सच आया सामने, पति को भेजा जेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दुपट्टे के फंदे पर लटकी मिली महिला की मौत का मामला हत्या का सामने आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पति को हिरासत में लिया गया है। जिसके खिलाफ हत्या का मामला दर्जकर पूछताछ की गई, उसने हत्या करना कबूल कर लिया। पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेजा है।

नीलगंगा थाना क्षेत्र के न्यू अशोकनगर में 15 मार्च को बाथरूम में निर्मला पति मायापुरी का शव दुपट्टे के फंदे से लटका मिला था। पुलिस सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुंची थी, जहां पति ने बताया था कि सालभर पहले प्रेम विवाह किया था। निर्मला अनुसूचित जाति वर्ग की थी और वह पिछड़ा वर्ग का है। हम दोनों का अंतरजातिय विवाह था। निर्मला गुना चलकर दस्तावेज बनवाना चाहती थी। उसने काम की वजह से गुना जाने से मना कर दिया था। जिसके चलते नाराज होकर उसने फांसी लगाई है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया था। पति ने अंतिम संस्कार कर दिया था। 23 दिन बाद पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिली तो हैरत में पड़ गई। निर्मला की मौत फांसी लगाने से नहीं हुई थी। उसका गला दबाकर मारा गया था, उसके बाद फंदे पर लटका गया था। पुलिस ने मंगलवार रात मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का प्रकरण दर्ज किया।

पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई तो सामने आया कि उसने विवाद होने पर गला दबाकर मारा था। उसके बाद आत्महत्या का रूप देने के लिये बाथरूम में दुपट्टे के फंदे से लटका दिया। थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि आरोपित पति कोगुरुवार दोपहर कोर्ट में पेश किया गया।

पोस्टमार्टम के दौरान सामने आया था कि निर्मला सात माह की गर्भवती थी। उसकी मौत के साथ ही गर्भ में पल रहे शिशु की भी मौत हुई है।

महाकाल की राजसी सवारी और दुर्गा नवमी पर स्थानीय अवकाश घोषित

कलेक्टर का आदेश जारी, जिलेभर में तहसीलवार छुट्टियां तय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस वर्ष उज्जैन शहर में महाकाल की राजसी सवारी और दुर्गा नवमी के दिन पूरी तरह अवकाश रहेगा। कलेक्टर ने जिले की सभी तहसीलों के लिए स्थानीय अवकाश घोषित करते हुए आदेश जारी कर दिए हैं।

आदेश के मुताबिक उज्जैन शहर में 7 सितंबर सोमवार को भगवान महाकालेश्वर की राजसी सवारी के अवसर पर अवकाश रहेगा। इसके अलावा 19 अक्टूबर सोमवार को महाअष्टमी/दुर्गा नवमी के दिन भी शहर में छुट्टी घोषित की गई है। इन दोनों प्रमुख तिथियों पर सरकारी दफ्तरों और संस्थानों में कामकाज बंद रहेगा, जिससे श्रद्धालु धार्मिक आयोजनों में भाग ले सकेंगे। जिले की अन्य तहसीलों में भी स्थानीय परंपराओं के अनुसार अवकाश तय किए गए हैं। बड़नगर में 01 सितंबर को भादों सवारी के दूसरे दिन और 15 सितंबर को गणेश चतुर्थी के अगले दिन छुट्टी रहेगी। इसी तरह 7 सितंबर को घट्टिया में महाकाल की सवारी, तराना में तिलभांडेश्वर महादेव तथा महिदपुर में धुर्जटेश्वर महादेव की सवारी के चलते अवकाश रहेगा।

तराना में 21 सितंबर को तेजादशमी, खाचरौद और नागदा में 23 सितंबर को डोल ग्यारस के दूसरे दिन अवकाश घोषित किया गया है। अक्टूबर में 21 तारीख को घट्टिया में दशहरा के दूसरे दिन अवकाश रहेगा। वहीं नवंबर में 10 नवंबर को बड़नगर में दीपावली के अगले दिन पड़वा और 11 नवंबर को उज्जैन सहित जिले की सभी प्रमुख तहसीलों में भाईदूज पर अवकाश रहेगा।

प्रशासन का कहना है कि स्थानीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि आमजन बिना बाधा उत्सवों में शामिल हो सकें।

पंचक्रोशी यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए प्रत्येक मुख्य पड़ाव एवं उप पड़ाव पर चौबीस घंटे तैनात रहेंगे चिकित्सक व मेडिकल स्टाफ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचक्रोशी यात्रा में आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार पंचक्रोशी मार्ग के अन्तर्गत आने वाले मुख्य पड़ाव एवं उप पड़ाव पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्थाई अस्पताल स्थापित कर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक मुख्य पढ़ाय व उप पड़ाव पर चौबीस घंटे चिकित्सक एवं मेडिकल स्टॉफ उपलब्ध रहेंगे एवं यात्रियों आकस्मिक स्वास्थ्य व्यवस्था यहां भर्ती कर उपलब्ध कराई जाएगी। विभाग द्वारा चिकित्सक एवं मेडिकल स्टॉफ को निरन्तर उपलब्ध रहकर यात्रियों को पंचक्रोशी यात्रा में ही सतत् स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जवाबदेही सौंपी जा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि विभाग द्वारा पंचक्रोशी आरंभ पड़ाव स्थल नागचंद्रेश्वर गुदरी चौराहा उज्जैन, पिंगलेश्वर मुख्य बढ़ाव, त्रिवेणी शनि मंदिर उप पड़ाव, राधौ पिपल्या उप पढ़ाद, करोहन मुख्य पड़ाव, नलवा उप पड़ाव, अंबोदिया मुख्य पड़ाव, सोडंग उप पड़ाव, कालियादेह उप पड़ाव, जैथल मुख्य पड़ाव, उण्डासा मुख्य पड़ाव पर अस्थाई अस्पताल स्थापित किए है एवं चिकित्सक एवं मेडिकल स्टॉफ का दल आवश्यक औषधि एवं आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण के साथ तैनात रहकर पंचक्रोशी यात्रियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे। ड्यूटीरत चिकित्सक एवं मेडिकल दल के उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक मुख्य पड़ाव एवं उप पड़ाव पर नोडल अधिकारी को जवाबदेही सौंपी है।

पंचक्रोशी में स्वास्थ्य सेवाए प्रदान करने के लिए 09 अप्रैल को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन कर निर्देश दिए गए कि श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से विभिन्न पड़ाव, उप पड़ाव पर स्वास्थ्यकर्मी डयूटी के लिए तैनात किए गए है उन्हें 24 घण्टे अलर्ट मोड पर रहकर स्वास्थ्य सेवाएं दिए जाने के निर्देश दिए गए है।

ड्यूटी में किसी प्रकार की कोताही लापरवाही न बरते जाने के हिदायत दी गई। साथ ही आने वाले श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी नियुक्त नोडल अधिकारी एवं स्वास्थ्य दल निम्न निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करें। अपने-अपने पड़ाव/उप-पड़ाव पर स्वास्थ्य शिविर समय पर स्थापित कर संचालन सुनिश्चित करें। आवश्यक औषधियों, प्राथमिक उपचार सामग्री एवं ORS आदि की पर्याप्त उपलब्धता रखें।

दामाद के साथ ससुर और सालों ने की मारपीट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया पत्नी ने मायके से अपने परिवार को बुला लिया, परिवार ने आते ही दामाद के साथ मारपीट शुरू कर दी बीच बचाव करने दामाद के परिजन आए तो उन्हें भी पीट दिया।

नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के पंत पिपलाई में रहने वाले संजय पिता दुलीचंद चौहान को बुधवार शाम घायल हालत में चरक अस्पताल लाया गया था उसके साथ घायल अवस्था में पिता दुलीचंद मां सोरम बाई और मोहन चौहान भी था। डॉक्टर ने संजय को चोट अधिक लगने पर उपचार के लिए भर्ती किया वहीं अन्य का प्राथमिक उपचार किया। घायल संजय ने बताया कि वह मिस्त्री का काम करता है, बुधवार को उसने छुट्टी मनाई थी घर पर टीवी देख रहा था इसी दौरान पत्नी सीमा ने टीवी की आवाज को लेकर विवाद शुरू कर दिया, कहासुनी बढ़ने पर वह अपने घर के समीप रहने वाले पिता दुलीचंद के यहां जाकर सो गया। सीमा ने अपने मायके वालों को विवाद की जानकारी दी, सांवेर के पास ग्राम नागपुर से ससुर तोलाराम और साले राकेश, कालू, कैलाश अन्य 67 लोगों के साथ पंथ पिपलाई आए और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी, मारपीट होते देख पिता और मां बचाने आए तो उनके साथ भी ससुराल वालों ने विवाद किया और लात घुसो से मारपीट की। परिवार के दो पक्ष में हुए विवाद के बाद मामले में नानाखेड़ा थाना पुलिस ने घायल परिवार के बयान दर्ज कर मारपीट करने वालों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

महाकाल की भस्म आरती में अभिनेत्री सुहासी धामी ने किए दर्शन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। टीवी अभिनेत्री सुहासी धामी ने गुरुवार सुबह महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकालेश्वर की प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर दर्शन किए। भोर में आयोजित होने वाली इस विशेष भस्म आरती में देशभर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। इसी क्रम में अभिनेत्री सुहासी धामी भी मंदिर पहुंचीं और विधिवत पूजन-अर्चन कर भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन के बाद उन्होंने उज्जैन प्रवास को आध्यात्मिक अनुभव बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

ढाई लाख की एमडी ड्रग्स के साथ 4 गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थ को लेकर चलाए जा रहे अभियान में बुधवार गुरुवार रात को पुलिस ने एक महिला और तीन युवकों को ढाई लाख कीमत की एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। जिनके पास से एक बाइक भी जप्त की गई है।

पंवासा पुलिस को रात में सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला और पुरुष नारंगी रंग की पल्सर बाइक से गरोठ ब्रिज के नीचे से गरोठ बायपास की ओर मादक पदार्थ बेचने की फिराक में आने वाले हैं। सूचना पर थाना प्रभारी गमर सिंह मंडलोई ने टीम के साथ मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश दी गई। इस दौरान मौके पर एक महिला एवं पुरुष संदिग्ध अवस्था में पाए गए, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। जिन्हें पुलिस द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में नाम जावेद उर्फ खन्ना पिता एजाज अली, निवासी पीड़ावा जिला झालावाड़ (राजस्थान)

और अलीशा उर्फ शमीम खान पति फिरोज खान निवासी नानाखेड़ा उज्जैन सामने आये। दोनों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 55 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद किया गया। दोनो ने बताया कि मादक पदार्थ ऋतिक पिता युवराज सौदे 25 वर्ष, निवासी ए ब्लॉक पंवासा और आदर्श पिता रविन्द्र सिंह भदौरिया 30 वर्ष निवासी गांधी नगर, आगर रोड उज्जैन से बेचने के लिए लेकर आए हैं। पुलिस ने मादक पदार्थ उपलब्ध कराने वालों की जानकारी सामने आने पर उनकी तलाश में दबिश दी और उन्हें भी रात में ही गिरफ्तार कर लिया। 55 ग्राम मादक पदार्थ की कीमत ढाई लाख रुपये और आरोपियों से बरामद बाइक की कीमत 1 लाख रुपये है।

उज्जैन में आकार ले रहा एमपी का पहला रेलवे ट्रेनिंग सेंटर, 90% काम पूरा

हाईटेक क्लासरूम में ट्रेन-सिग्नल की लाइव ट्रेनिंग, अप्रैल में शुरू होने की उम्मीद , 60 करोड़ की लागत से बन रहा अत्याधुनिक कैंपस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश को जल्द ही रेलवे का पहला आधुनिक ट्रेनिंग सेंटर मिलने जा रहा है। आगर रोड क्षेत्र में बन रहा यह हाईटेक संस्थान अब अंतिम चरण में है और करीब 90 से 95 फीसदी काम पूरा हो चुका है। फर्नीचर लगते ही यहां ट्रेनिंग गतिविधियां शुरू कर दी जाएंगी।

यह ट्रेनिंग सेंटर न सिर्फ प्रदेश के लिए बड़ी सौगात है, बल्कि इससे उज्जैन रेलवे ट्रेनिंग का प्रमुख हब बनने जा रहा है। पश्चिम रेलवे के 6 मंडलों के कर्मचारी अब यहीं अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण ले सकेंगे।

क्लासरूम में ही मिलेगा 'रेलवे का असली अनुभव'- इस सेंटर की सबसे बड़ी खासियत इसके स्मार्ट क्लासरूम हैं। यहां 12 बड़े क्लासरूम तैयार किए गए हैं, जिनका आकार 36म10 वर्गमीटर है। इन कमरों में ट्रेन, रेलवे ट्रैक, स्टेशन और सिग्नल सिस्टम के छोटे-छोटे मॉडल बनाए जाएंगे। इन मॉडलों के जरिए कर्मचारियों को लाइव डेमो के साथ ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वे रेलवे की तकनीकी बारीकियों को आसानी से समझ सकें। इससे ट्रेनिंग पहले से ज्यादा आसान और प्रभावी होगी।

दो साल में तैयार हुआ 60 करोड़ का प्रोजेक्ट- इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत जनवरी 2024 में हुई थी। करीब 60 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहे इस सेंटर का निर्माण अब अंतिम दौर में है। तय समयसीमा के अनुसार अप्रैल 2026 तक इसे पूरी तरह चालू करने की तैयारी है। करीब पौने दो लाख वर्गमीटर क्षेत्र में फैले इस कैंपस में ट्रेनिंग के साथ रहने की भी पूरी सुविधा विकसित की गई है।

हॉस्टल में 104 कमरे, महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था- प्रशिक्षण के लिए आने वाले कर्मचारियों के ठहरने के लिए दो हॉस्टल बनाए गए हैं। कुल 104 कमरों में

80 कमरे पुरुष कर्मचारियों के लिए और 24 कमरे महिला कर्मचारियों के लिए आरक्षित रहेंगे।इससे बाहर से आने वाले कर्मचारियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी और वे कैंपस में ही रहकर ट्रेनिंग ले सकेंगे।

अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा, यहीं मिलेगी ट्रेनिंग- अब तक रेलवे कर्मचारियों को तकनीकी प्रशिक्षण के लिए महाराष्ट्र और राजस्थान जाना पड़ता था। लेकिन इस सेंटर के शुरू होने के बाद उज्जैन में ही सिग्नल, दूरसंचार, इंजीनियरिंग, लेखा और यातायात जैसे सभी विभागों की ट्रेनिंग मिल सकेगी।

इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी, साथ ही ट्रेनिंग की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

अमरनाथ यात्रा के लिए 9 अप्रैल के बाद का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र ही होगा मान्य

हर साल उज्जैन से भी सैकड़ो लोग जाते हैं यात्रा पर , 15 अप्रैल से पंजीयन होंगे शुरू,

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले उज्जैन के श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यात्रा के लिए अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र 9 अप्रैल या उसके बाद जारी किया गया ही मान्य होगा। इससे पहले बने सभी प्रमाण पत्र अमान्य माने जाएंगे।

श्राइन बोर्ड के अनुसार यात्रा पंजीयन 15 अप्रैल से प्रारंभ होगा। पंजीयन के लिए श्रद्धालुओं को अधिकृत चिकित्सक से जारी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

केवल उन्हीं चिकित्सकों के हस्ताक्षर और मोहर मान्य होंगे, जिन्हें बोर्ड द्वारा अधिकृत किया गया है। अनधिकृत चिकित्सकों के प्रमाण पत्र सीधे निरस्त कर दिए जाएंगे।

स्वास्थ्य प्रमाण पत्र में चिकित्सक का नाम, पंजीयन क्रमांक, अस्पताल की मोहर और श्रद्धालु के फोटो पर चिकित्सक के हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।

इन आवश्यकताओं के बिना प्रमाण पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।श्रद्धालु अपने राज्य के अधिकृत चिकित्सकों की सूची और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र का प्रारूप श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। यह प्रारूप हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है।

महत्वपूर्ण नियम- यात्रा के लिए आयु सीमा निर्धारित की गई है। 13 वर्ष से कम और 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति यात्रा के पात्र नहीं होंगे। वहीं, 6 सप्ताह से अधिक गर्भवती महिलाओं को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। उज्जैन से हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा पर जाते हैं। ऐसे में प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे सभी नियमों का पालन करते हुए समय पर पंजीयन और स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएं, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गर्मी में महाकाल मंदिर में राहत के इंतजाम....दर्शन पथ पर मैट और कूलर की व्यवस्था

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में गर्मी के सीजन को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। मंदिर प्रबंध समिति ने दर्शन करने आने वाले भक्तों की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए मैट, कूलर और मेडिकल सेवा के इंतजाम किए हैं।

उल्लेखनीय है कि महाकालेश्वर मंदिर में रोजाना बड़ी संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में गर्म जमीन से राहत देने के लिए पूरे दर्शन मार्ग पर मैट बिछाई गई है, ताकि नंगे पैर चलने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।इसके साथ ही, दर्शन पथ के प्रमुख स्थानों पर ठंडे पेयजल की व्यवस्था की गई है। इससे श्रद्धालुओं को गर्मी और लू से बचाव मिल सकेगा। मंदिर परिसर में कूलर भी लगाए गए हैं, जिससे ठंडी हवा का प्रवाह बना रहे और दर्शन के दौरान लोगों को राहत मिल सके। गर्मी के कारण होने वाली दिक्कतों को देखते हुए मंदिर परिसर में मेडिकल व्यवस्था भी मजबूत की गई है। डिहाइड्रेशन, घबराहट या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ तैनात किया गया है, जो जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता देगा। मंदिर प्रबंध समिति का कहना है कि इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और आरामदायक दर्शन कराना है। समिति ने साफ किया कि आगे भी जरूरत के अनुसार व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाएगा।

आम उपभोक्ता जो पेयजल से संबंधित समस्याओं से परेशान थे उनकी समस्याओं को सुनते हुए समाधान किया गया - महापौर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 9 अप्रैल गुरुवार को शहर के नागरिकों की पेयजल से संबंधित समस्या के निराकरण हेतु चामुंडा माता स्थित पीएचई कार्यालय पर महापौर चौपाल का आयोजन महापौर श्री मुकेश टटवाल की उपस्थिति में किया गया जिसमें पेयजल से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु नागरिकों की समस्याओं को सुनते हुए उनका तत्काल निराकरण किया गया। चौपाल के अंतर्गत अवैध से वेध कनेक्शन कराने हेतु 15 आवेदन प्राप्त हुए एवं 53 शिकायतें जिसमें पाइपलाइन डालने, लाइन लीकेज की समस्या, सप्लाई के दौरान कम प्रेशर, गंदे पानी की समस्या, जल कर की राशि में त्रुटि सुधार कार्य इत्यादि शिकायतें प्राप्त हुई।

संभागायुक्त श्री सिंह ने शिप्रा शुद्धिकरण के संबंध में बैठक ली

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने गुरुवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में शिप्रा शुद्धिकरण के संबंध में बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, प्रशासक श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति श्री प्रथम कौशिक, सीईओ यूडीए श्री संदीप सोनी एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में जानकारी दी गई कि शिप्रा नदी का कुल केचमेंट क्षेत्र 2249.83 वर्ग. कि.मी. है तथा इसके आस पास लगभग 474 जलाशय है। शिप्रा नदी के अंतर्गत महू, इंदौर, देपालपुर, सांवेर, धार, नालछा, देवास, बड़नगर, उज्जैन ,घट्टिया और खाचरौद में वॉटर रिचार्ज के लिए काम करने की आवश्यकता है।

शिप्रा नदी के आस-पास 44 जलाशय है जहां से भूमिगत तरीके से नदी में प्राकृतिक रूप से जल पहुंचता है।

चाकू से हमला कर लूट की कोशिश करने वाला गिरफ्तार

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पाटीदार ब्रिज पर तीन माह पहले चाकू से हमला कर युवक के साथ लूट की कोशिश करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बदमाश में घटना में प्रयुक्त चाकू भी जप्त किया गया है।

देवास गेट थाना पुलिस ने बताया कि 13 जनवरी को ढांचा भवन में रहने वाला गौरव राठौर फ्रीगंज से बाइक पर अपने घर लौट रहा था। इस दौरान रात 10ः30 बजे के लगभग पाटीदार ब्रिज स्मार्ट रोड के समीप उसे बदमाश रवि डाबी ने रोक लिया था और शराब पीने के रुपए मांगे थे। गोपाल द्वारा रुपए देने से मना किया गया तो बदमाश ने लूट का प्रयास किया विरोध करने पर गोपाल को चाकू मार कर भाग निकला था। मामले में प्रकरण दर्ज कर बदमाश की लगातार तलाश की जा रही थी तीन माह बाद गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली कि बदमाश ज्ञानेश्वरी माता मंदिर के सामने कोयला फाटक चौराहा क्षेत्र में देखा गया है। पुलिस तत्काल उसकी गिरफ्तारी के लिए मौके पर पहुंची और क्षेत्र में आसपास तलाश करते हुए उसे हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी अनिला पाराशर ने बताया कि बदमाश आदतन अपराधी है जिसके खिलाफ पूर्व में भी अपराध दर्ज है पूछताछ के बाद उस घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है। दोपहर बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।